www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 19 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
10 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:49
सूर्यास्तः 06:27
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 07

विशेष समाचार
ईरान अमेरिका इजराइल... >> पेज 04
गर्लफ्रेंड और उसके तीन... >> पेज 06
शक्तिमान का अपमान किया...

असम, केरल, पुडुचेरी में
विधानसभा चुनाव की वोटिंग खत्म
असम में चुनावी हिंसा में 30 घायल, पुडुचेरी में भी कांग्रेस-भाजपा समर्थक भिड़े

मतदान

- कर्नाटक में बागलकोट और दावणगेरे साउथ में क्रमशः 54.82% और 49.66% वोटिंग हुई। ये चुनाव मौजूदा विधायकों के निधन के कारण खाली हुई सीटों पर कराए गए हैं, जिनमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के बीच मुकाबला हो रहा है।

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी । देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार (9 अप्रैल) को विधानसभा चुनाव के लिए शाम 6 बजे तक वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक असम में 84.42%, केरलम में 75.01% और पुडुचेरी में 86.92% वोटिंग हुई। असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है।

>> (शेष पेज 06 पर)

विधानसभा चुनाव 2026
2026 बनाम 2021
राज्यों में कितनी बदली मतदान की सूरत

	2026	2021
असम	85.10	82.02
केरल	77.50	75.75
पुडुचेरी	86.92	83.28

असम में कांग्रेस कैंडिडेट ने ईवीएम तोड़ी, भाजपा- कांग्रेस समर्थक भिड़े

असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए। सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने PTI को बताया कि श्रीभूमि जिले के पथारकंडी से कांग्रेस उम्मीदवार कार्तिक सेना सिन्हा रंगमती बूथ में घुस गए और पीठासीन अधिकारी से बहस करने लगे। उनका दावा था कि फर्जी वोटर्स ने असली लोगों के वोट डाले हैं। जब पीठासीन अधिकारी ने इस आरोप का खंडन किया, तो उन्होंने EVM तोड़ दी। इसके बाद कांग्रेस और भाजपा समर्थकों ने आपस में हाथापाई शुरू कर दी। इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। उन्हें इलाज के लिए करीमगंज सिविल अस्पताल भेजा गया है। श्रीभूमि की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लीना डोले मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। सिन्हा का सीधा मुकाबला असम के मंत्री और भाजपा उम्मीदवार कृष्णेंदु पॉल से है।

केरलम के कन्नूर में मॉडल बूथ को धागों से सजाया

केरलम के कन्नूर में इस मॉडल बूथ को गांधी आश्रम के लोगों ने धागों से सजाया हुआ है... एक हेल्प डेस्क भी बनाई हुई है, जहां पर महिला कर्मचारी मतदाताओं के किसी भी तरह की समस्या समाधान कर रहे हैं।

केरलम के त्रिशूर में ईवीएम सील

केरलम में त्रिशूर के अय्यनथोले स्थित बूथ पर अंतिम मतदाता के बाहर निकलने के साथ ही मतदान समाप्त हो गया। EVM को सील करते अधिकारी।

कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों पर गुरुवार को हुए उपचुनावों में शाम 5 बजे तक 60 प्रतिशत से अधिक वोटिंग हुई। बागलकोट में 65.68 फीसदी जबकि दावनगेरे दक्षिण में 63.04 फीसदी वोटिंग हुई। त्रिपुरा के धर्मनगर उपचुनाव में शाम 5 बजे तक 79.84 फीसदी वोटिंग हुई।

'चुनाव के बाद एक शक्तिशाली और नया असम उभरेगा'

जोरहाट (असम) में राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने अपना वोट डाला और कहा कि चुनाव के बाद एक शक्तिशाली, निडर, आत्मविश्वासी और नया असम उभरेगा। जोरहाट के डीसीबी एलपी स्कूल में अपनी मां डॉली गोगोई के साथ वोट डालने के बाद पत्रकारों से उन्होंने कहा कि राज्य में नई सरकार सभी लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करेगी।

बिहार- सीने पर बैठकर चाकू से सिर काटा

अररिया । बिहार के अररिया में गुरुवार को एक युवक का गला काटकर उसका कटा सिर बीच सड़क पर रख दिया। मृतक की पहचान मो. नवी हुसैन के रूप में हुई है। वारदात को अंजाम देने वाले का नाम रवि चौहान बताया जा रहा है। नवी ड्राइवर था और रवि सत्तू की दुकान चलाता था। रवि ने नवी के सीने पर बैठकर बीच सड़क उसकी गर्दन काटी। इसका वीडियो भी सामने आया है।

वारदात के बाद रवि 5 मिनट तक हाथ में चाकू लिए वहीं खड़ा रहा। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपी को भी पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। भीड़ ने सड़क पर आगजनी और तोड़फोड़ की। इलाके के सभी दुकानों को बंद कर दिया गया है। घटना फारबिसगंज थाना क्षेत्र के मार्केटिंग यार्ड गेट नंबर 2 के पास हुई।

टीएमसी राज में मां मानुष डरे हुए : मोदी
कहा- 4 मई के बाद गुंडागर्दी का हिसाब लेंगे

प्रचार

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पीएम मोदी गुरुवार को पश्चिम बंगाल में 3 चुनावी रैलियां कीं। उन्होंने बीरभूमि में कहा, 'हम ऐसा समाज देखने चाहते हैं। जहां हर कोई भय से मुक्त हो। ये मां, माटी और मानुष की बात करते हैं। मां आज रो रही है, माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत है, डरा हुआ है।'

उन्होंने कहा, 'गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे, जहां हर कोई भय से मुक्त हो, लेकिन TMC के महाजंगलराज ने एकदम उल्टा कर दिया। TMC ने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति का अपमान किया था।'

उन्होंने कहा कि आपने TMC पर विश्वास किया था, लेकिन TMC ने बंगाल में बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं हैं।

- कांग्रेस-लेफ्ट एक थाली के चट्टे-बट्टे : मोदी

>> (शेष पेज 06 पर)

दावा : हुमायूं कबीर की बीजेपी से एक हजार करोड़ की डील
वायरल वीडियो में पीएमओ का जिक्र, कहा- डिप्टी सीएम बनूंगा

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले आम जनता उन्नयन पार्टी के चेयरमैन हुमायूं कबीर के वायरल वीडियो से विवाद खड़ा हो गया है। इसमें वे बीजेपी नेताओं के साथ 1000 करोड़ की डील पर चर्चा कर रहे हैं।

19 मिनट के वीडियो में हुमायूं कबीर कह रहे हैं कि वे ममता बनर्जी को किसी भी कीमत पर सत्ता से हटाना चाहते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

कबीर ने कहा- चुनाव के बाद कोर्ट जाऊंगा

हुमायूं कबीर ने बताया, 'ये आरोप पूरी तरह फेक हैं। ये वीडियो AI से बनाया गया है। जिन लोगों ने इन्हें जारी किया है मैं उनके खिलाफ कोर्ट जाऊंगा। अभी मैं चुनाव प्रचार में व्यस्त हूं। समय मिलते ही केस करूंगा। हुमायूं कबीर ने कहा कि मैं सीएम हिमंता बिस्व सरमा, मोहन यादव से कभी नहीं मिला, न ही बात हुई।

बाबरी मस्जिद की नींव रख चर्चा में आए थे कबीर

हुमायूं ने 6 दिसंबर 2025 को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखी थी। इसमें 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी थी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था।

फास्ट न्यूज

छठी क्लास में इसी सेशन से 3 भाषाएं पढ़ाई जाएंगी

नई दिल्ली । सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने छठी क्लास में तीसरी भाषा लागू करने को लेकर बड़ा फैसला लिया है। बोर्ड ने 9 अप्रैल को जारी सर्कुलर में सभी स्कूलों को 7 दिन के अंदर इसे लागू करने का निर्देश दिया है।

प्रतिक्रिया बयान

'जहरीले सांप' बयान पर नितिन नवीन बोले-ये कांग्रेस की भाषा

नई दिल्ली । बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को मल्लिकार्जुन खड़गे के 'भाजपा-RSS को जहरीला सांप' बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी लोगों को सांप्रदायिक आधार पर भड़काने की कोशिश है और सस्ती मानसिकता दिखाती है।

नवीन ने न्यूज एजेंसी ANI से कहा कि कांग्रेस की यह पुरानी परंपरा रही है कि वह ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करती है, जिनका समाज पर नकारात्मक असर पड़ता है। ऐसे बयानों के बाद जनता BJP को जीत का आशीर्वाद देती है। उन्होंने खड़गे के बयान के पीछे गांधी परिवार को जिम्मेदार ठहराया।

सिक्किम में बर्फबारी- लैंडस्लाइड

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच कई जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़क संपर्क टूट गया। लाचेन में फंसे 1321टूरिस्ट का सेना ने रेस्क्यू कर लिया।दो दिन चले ऑपरेशन को 'हिम सेतु' नाम दिया गया है। उत्तर भारत में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से अप्रैल में भी सर्दी का अहसास हो रहा है।

गुरुग्राम में हुआ हड़ताली कर्मचारियों पर लाठीचार्ज
एक का सिर फूटा-20 घायल, महिलाओं ने छीनी लाठी

बवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मानेसर में धारा 163 लागू होने के बावजूद वीरवार को हजारों की संख्या में हड़ताली कर्मचारी जुट गए। जिन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस लाठीचार्ज किया। जिससे मामला भगदड़ की स्थिति बन गई। इस दौरान 20 से ज्यादा कर्मचारियों को चोटें आई हैं। एक के सिर पर गहरा जख्म है। काफी खून बहने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक महिला बेहोश हो गई। इससे भड़के हड़तालियों ने पुलिस की एक बाइक फूंक दी और गाड़ी पर पथराव किया, जिससे फ्रंट और बैक के शीशे टूट गए। एक पुलिसकर्मी से महिलाओं ने लाठी भी छीनने की कोशिश की गई। इस पर पुलिस कर्मियों की महिलाओं से नोकझोंक और खींचतान भी हुई। एक पुलिस कर्म इस विवाद के बाद कई कंपनियों के बाहर सैलरी बढ़ाने संबंधी सरकार के ऑर्डर वाले नोटिस चिपका दिए गए।

>> (शेष पेज 06 पर)

- पुलिस की बाइक फूंकी- गाड़ी तोड़ी पुलिस के आते ही भगदड़ मच गई।

ईरान के पास तैनात रहेगी सेना : ट्रम्प
ईरान बोला- अमेरिका ने सीजफायर की 3 शर्तें तोड़ी, अब बातचीत बेकार

चेतावनी

- ट्रंप ने ईरान संघर्ष पर नाटो की भूमिका पर नाराजगी जताई।
- नाटो देशों ने अमेरिकी सैन्य अभियान का समर्थन करने से इनकार किया।
- अमेरिकी सेना ईरान में 'असली समझौता' लागू होने तक रहेगी।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। इजरायल-अमेरिका और ईरान युद्ध के दौरान NATO की भूमिका को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने नाराजगी जाहिर की है। ट्रंप ने NATO सहयोगी देशों की आलोचना करते हुए कहा कि जब तक उन पर दबाव नहीं डाला जाता, तब तक वे महत्वपूर्ण मुद्दों को समझने में नाकाम रहते हैं। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में डोनल्ड ट्रंप ने सहयोगी देशों के रवैये पर अपनी निराशा जाहिर की। ट्रंप ने लिखा, 'इनमें से किसी भी व्यक्ति ने, यहां तक कि हमारे अपने लोग और NATO भी, तब तक कुछ नहीं समझा, जब तक उन पर दबाव नहीं डाला गया' NATO महासचिव मार्क रुट्टे ने देशों का नाम लिए बिना कहा कि उनका मानना है कि कुछ NATO सदस्य ईरान अभियान में अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में नाकाम रहे, हालांकि ज्यादातर यूरोपीय देश मददगार साबित हुए।

>> (शेष पेज 06 पर)

नाटो देशों ने सैन्य अभियान से किया मना

कई NATO देशों ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान का समर्थन करने से इनकार कर दिया। उन्होंने अमेरिकी सैन्य विमानों को अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में मदद के लिए नौसेना बल भेजने से भी मना कर दिया।

- पूर्व इजराइली आर्मी चीफ का फोन हैक, फोटो-वीडियो लीक
- ईरानी हैकर्स ने फैमिली फोटोज और सीक्रेट मीटिंग्स की तस्वीरें वायरल की

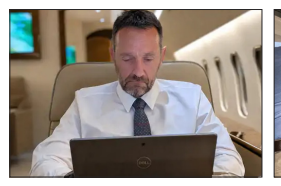

सुनवाई : सुप्रीम कोर्ट बोला- इससे हिंदू धर्म को नुकसान, केंद्र ने कहा- धार्मिक मामलों में अदालतों का दखल ठीक नहीं

मंदिरों में एंट्री रोकने से समाज बंटेगा : एससी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान मंदिरों के रीति-रिवाजों का जिक्र हुआ। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मंदिरों में सिर्फ खास समुदाय की एंट्री और बाहरी लोगों की मनाही से समाज बंटेगा। यह हिंदू धर्म के लिए ठीक नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि मान लीजिए (सबरीमाला केस को छोड़कर), अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ (जैसे श्रृंगेरी) न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा। >> (शेष पेज 06 पर)

मंदिर खोलने का जेंडर इक्वैलिटी से कोई सीधा संबंध नहीं

वैद्यनाथन बोले- मंदिर खोलने का जेंडर इक्वैलिटी से कोई सीधा संबंध नहीं एडवोकेट वैद्यनाथन ने कहा कि आर्टिकल 25(2)(b) जेंडर इक्वैलिटी का प्रावधान नहीं है। मंदिरों को हिंदुओं के अलग-अलग वर्गों और समुदायों के लिए खोलने की संवैधानिक शक्ति का जेंडर इक्वैलिटी से कोई सीधा संबंध नहीं है। >> (शेष पेज 06 पर)

किसी संप्रदाय में विश्वास रखने वाले व्यक्ति के मौजूदा रीति-रिवाजों में बदलाव की मांग, उस संप्रदाय में विश्वास न रखने वाला कोई दूसरा व्यक्ति भी कर सकता है, यदि वे रिवाज उस गैर-विश्वासी व्यक्ति की 'स्वतंत्रता' में बाधा डाल रहे हों।
-जस्टिस जॉयमाल्या बागची

वैद्यनाथन बोले- 'धार्मिक संप्रदाय' की परिभाषा के लिए कोई पैमाना नहीं

वैद्यनाथन ने कहा कि शिरूर मठ मामले में जब ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी का संदर्भ दिया गया और तीन शर्तें तय की गईं, तो कोर्ट ने उन्हें अनिवार्य आवश्यकता के रूप में नहीं माना। वह तो केवल डिक्शनरी से लिया गया केवल एक वाक्य था। SG (सॉलिसिटर जनरल) और ASG (अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल) ने 'धार्मिक संप्रदाय' के विषय पर अपने तर्क रखे हैं। कोर्ट ने 'धार्मिक संप्रदाय' की परिभाषा के लिए कोई सख्त पैमाना तय नहीं किया था, और न ही कोर्ट को उस समय हिंदी ट्रांसलेशन मिला था। >> (शेष पेज 06 पर)

'पोलिंग बूथ की संख्या नहीं बता पाये ऑब्जर्वर'
सीईसी ने बीच मीटिंग में कर दिया सस्पेंड

गरमागरमी

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता में एक हाई लेवल चुनाव समीक्षा हुई। इस बैठक में जमकर गरमागरमी हो गई। मामला तब गरमा गया, जब एक वरिष्ठ चुनाव पर्यवेक्षक ने खुले तौर पर CEC ज्ञानेश कुमार को चुनौती दे दी। पर्यवेक्षक अनुराग यादव को कूच बिहार में तैनात किया गया था। उनके चुनाव आयुक्त से अभद्र व्यवहार के बाद उन्हें उस पर्यवेक्षक को पद से हटा दिया गया। EC की पूर्ण पीठ ने यह बैठक बुलाई थी। यह एक वर्चुअल मीटिंग थी। इस बैठक के दौरान, कूच बिहार दक्षिण के सामान्य पर्यवेक्षक अनुराग यादव ने CEC की ओर से की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई।

>> (शेष पेज 06 पर)

- चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन
- सीईसी के एक सवाल पर घबरा गये अफसर
- आयोग की आंख और कान होते हैं पर्यवेक्षक

2027 विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को दिया संदेश, सरकार की नीतियों और व्यवस्थाओं पर उठाए सवाल

'भाजपा का चरित्र जनविरोधी'

आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उसका राजनीतिक चरित्र जनविरोधी है और वह लोकतंत्र के साथ छल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है और आम जनता को बुनियादी सुविधाएं भी सही तरीके से नहीं मिल पा रही हैं।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में बृहस्पतिवार को विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में 2024 लोकसभा चुनाव से भी अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है।

बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने का आह्वान

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से बूथ स्तर पर जाकर जनता को भाजपा सरकार की नाकामियों के बारे में बताने को कहा। उनका कहना था कि जनता बदलाव चाहती है और समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए तैयार है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को भाजपा की कथित साजिशों से सावधान रहने का आह्वान किया। अखिलेश यादव ने कहा कि स्मार्ट मीटर के जरिए बिजली बिलों में धांधली हो रही है और उपभोक्ता परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कन्नौज का काऊ मिल्क प्लांट बंद कर दिया गया और किसान बाजार भी बेच दिया गया, जिससे

लोकतंत्र से कर रही छल : अखिलेश यादव

> अखिलेश यादव ने एसआईआर प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि नकली हस्ताक्षरों के जरिए मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इस पर चुनाव आयोग निष्क्रिय क्यों है।

किसानों को नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने प्रदेश को एक्सप्रेस-वे जैसे बड़े विकास कार्यों से जोड़ा था, जिसमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी विश्वस्तरीय परियोजनाएं शामिल हैं। उनके अनुसार वर्तमान सरकार विकास के मोर्चे पर विफल रही है। अखिलेश

सरकारी योजनाओं और व्यवस्थाओं पर निशाना

उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के नाम पर जनता को गुमराह किया गया है। राजधानी लखनऊ सहित बड़े शहरों में यातायात व्यवस्था खराब है और जाम की समस्या आम हो गई है। उन्होंने लखनऊ के ग्रीन कॉरिडोर प्रोजेक्ट की डिजाइन पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसके कारण हर चौराहे पर पुलिस की तैनाती करनी पड़ रही है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल में कोई नया बिजली प्लांट नहीं लगाया गया और बिजली व्यवस्था बदहाल है।

यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और लूट के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश को फिर से विकास की राह पर लाने के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना जरूरी है।

इस मौके पर माता प्रसाद पाण्डेय, राजेन्द्र चौधरी और श्याम लाल पाल समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कानपुर रोड पर ट्रैफिक पुलिस ने चिल्लावां कट बंद किया

नाराज व्यापारी धरने पर बैठे, बोले- धंधा खत्म हो जाएगा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी-नगर क्षेत्र में कानपुर रोड पर चिल्लावां गांव जाने वाले मुख्य मार्ग के सामने बने कट को गुरुवार शाम ट्रैफिक पुलिस ने बंद कर दिया। इस कार्रवाई के विरोध में स्थानीय व्यापारी धरने पर बैठ गए। कट को दोबारा खोलने की मांग की।

एसीपी ट्रैफिक राधा रमन सिंह की मौजूदगी में शाम करीब पांच बजे जेसीबी मशीन से बड़े-बड़े पत्थर रखकर कट को पूरी तरह बंद किया गया। एसीपी ट्रैफिक ने बताया कि इस कट के कारण अक्सर भीषण जाम लगता था, जिससे कानपुर रोड का यातायात बुरी तरह प्रभावित होता था। जाम की समस्या को देखते यह कदम उठाया गया है।

यह कट मुख्य रूप से चिल्लावां गांव के लोगों के पैदल आवागमन के लिए बनाया गया था। इसके अतिरिक्त, अवध विहार, तपोवन

नगर, आजाद नगर और बंधवा तालाब के निवासी भी इसी रास्ते का उपयोग करते थे। मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दिनों में यहां भारी भीड़ रहती थी, जिससे जाम की समस्या और गंभीर हो जाती थी।

कट बंद होने की जानकारी मिलते ही स्थानीय व्यापारी आक्रोशित हो उठे। उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में व्यापारी मौके पर पहुंचे और कट के सामने धरने पर बैठकर इसे दोबारा खोलने की मांग करने लगे।

फास्ट न्यूज

'ल्यारी-धुरंधर' होर्डिंग का जवाब

लखनऊ। लखनऊ में ल्यारी-धुरंधर वाले होर्डिंग का सपा की ओर से जवाब दिया गया है। देर रात सड़कों के किनारे कई जगहों पर होर्डिंग लगाकर सवाल पूछे गए हैं। इनमें पूछा है- ल्यारी का डर दिखाकर यूपी में अपनी नाकामी छिपाओगे कब तक? जनता समझ चुकी है, झूठे पोस्टर से बहलाओगे कब तक? ये होर्डिंग सपा नेता मोहम्मद इखलाक की ओर से लगाए गए हैं। इन पर यह भी पूछा गया है- आपको क्या चाहिए? ये पूछते हो बार-बार, हमें अखिलेश चाहिए।

लखनऊ में मृत महिला के खाते से 10 लाख निकाले

लखनऊ। लखनऊ के वजीरगंज थाना क्षेत्र में बैंक कर्मियों की मिलीभगत से मृत महिला के खाते से 10 लाख रुपए निकालने का मामला सामने आया है। महिला के देवर ने ड्राइवर पर रुपए निकालने का आरोप लगाया है।

डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित के आदेश पर वजीरगंज पुलिस ने चालक समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। नाका के राजेंद्र नगर निवासी यतेंद्र कुमार पंत ने बताया उनकी भाभी गीता पंत का अकाउंट इंडियन बैंक में था। 6 मई 2021 को भाभी का निधन हो गया था।

प्राइवेट कंपनी के अकाउंटेंट ने की आत्महत्या

लखनऊ । लखनऊ के तालकटोरा थाना क्षेत्र स्थित राजाजीपुरम एफ-ब्लॉक में एक युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी। युवक की पहचान सआद-तगंज निवासी आदर्श प्रजापति (26) के रूप में हुई। वह प्राइवेट कंपनी में अकाउंटेंट था।

घटना बुधवार दोपहर की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक ने आत्महत्या करने से पहले ऑफिस में एक सुसाइड नोट छोड़ था।

महीनाभर बाद भी नहीं बनी ग्रीन कॉरिडोर की सड़क

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । ग्रीन कॉरिडोर की सड़क को धंसने के बाद 1 महीना बीत चुका है लेकिन अभी तक उसकी मरम्मत नहीं की गई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ ने ग्रीन कॉरिडोर का उद्घाटन किया था। उद्घाटन के 2 दिन बाद बीरबल साहनी मार्ग पर पेयजल लाइन की लीकेज से कॉरिडोर की सड़क धंस गई थी। लीकेज ठीक कर गड्ढा भर दिया गया, लेकिन सड़क दोबारा नहीं बनाई गई। टूटी सड़क पर 5 से 7 मीटर तक बजरी फैली है, जिससे रोजाना दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। एलडीए उपाध्यक्ष ने 17 मई को 4 सदस्यीय जांच कमेटी बनाई थी, जिसे एक हफ्ते में रिपोर्ट देनी थी। एक महीने बाद भी रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

हनुमान सेतु से निशातगंज जाने वाले और न्यू हैदराबाद कॉलोनी से कॉरिडोर पर चढ़ने वाली जगह पर बजरी बिखरी हुई है। यहां से कॉरिडोर

लखनऊ में रक्षामंत्री के उद्घाटन के बाद धंसी थी, जांच कमेटी की रिपोर्ट नहीं आई

पर एंट्री करने वाले लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। बता दें कि ग्रीन कॉरिडोर 1220 करोड़ रुपए से बनाया गया था। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने इंजीनियर अतुल मिश्रा पर नाराजगी जताते हुए सड़क जल्द ठीक कराने के निर्देश दिए थे। चार इंजीनियरों की टीम बनाकर इसकी विस्तृत रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। कमेटी बनने के 24 दिन बाद भी अब तक कोई रिपोर्ट नहीं आई।

रेस्क्यू में लगे डेढ़ घंटे, अस्पताल में तोड़ा दम, इस जमीन पर करीब 15 झुग्गियां बनी हुई हैं

मंदिर की दीवार ढही 3 माह का बच्चा दबा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । अलीगंज इलाके के डंडहिया बाजार स्थित पुराना हनुमान मंदिर की जर्जर दीवार गुरुवार को ढह गई। मलबे में 3 माह का बच्चा दब गया। पुलिस और नगर निगम की टीम ने करीब डेढ़ घंटे रेस्क्यू करके उसे बाहर निकाला। इलाज के लिए भाऊराव देवरस अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए उसे केजीएमयू रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान मिसरिख सीतापुर निवासी गजोधर के 3 माह के बेटे के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, गजोधर झुग्गी डालकर

मंदिर के पास परिवार के साथ रहते हैं। जिस जगह पर यह झुग्गी बनी थी, वह एलडीए की फ्रीहोल्ड जमीन है। इस जमीन पर करीब 15 झुग्गियां बनी हुई हैं। स्थानीय निवासी फूल कुमार ने बताया कि गजोधर की 3 बेटियां हैं। चौथे नंबर पर उसे बेटा हुआ था। बेटे का जन्म ऑपरेशन से हुआ था। उपचार में करीब डेढ़ लाख रुपए खर्च हुए थे। गजोधर ने उधार लेकर इलाज कराया था। अभी तक वह कर्ज चुका नहीं सका है। स्थानीय पार्षद मान सिंह यादव ने बताया कि वह घटनास्थल पर गए थे। जहां लोगों ने बताया कि मंदिर की तरफ से एक प्राइवेट स्कूल का संचालन किया जा रहा है।

मलबे से जिंदा निकाला गया

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। बच्चे को सकुशल मलबे से बाहर निकाला गया। बच्चे के बाबा मेवालाल ने बताया कि उनके बेटे गजोधर के 3 माह के बेटे रूप लाल की मलबे में दबने से मौत हो गई। यह बताते हुए वह भावुक होकर रोने लगे। उनके मुताबिक, बच्चा झोपड़ी के अंदर सो रहा था। इसी दौरान अचानक दीवार गिर गई। बच्चा मलबे में दब गया। घटना के बाद आसपास के 50-60 लोगों ने मिलकर बच्चे को निकालने की कोशिश की, लेकिन मलबा हटाने में करीब डेढ़ घंटे का समय लग गया।

ज्ञान भारतम् मिशन को योगी सरकार का बल, ज्ञान संरक्षण को मिल रही नई दिशा

वैश्विक मंच तक पहुंचेगा भारतीय ज्ञान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/कानपुर। उत्तर प्रदेश में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और उसे वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के उद्देश्य से ज्ञान भारतम् मिशन को योगी सरकार ने मिशन मोड में आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में कानपुर नगर में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय समिति की बैठक आयोजित कर प्राचीन पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों की तरह कानपुर में भी मंदिरों, मठों, आश्रमों, संस्कृत पाठशालाओं, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में सदियों पुरानी पांडुलिपियां सुरक्षित हैं। इन पांडुलिपियों में धर्म, दर्शन, आयुर्वेद, ज्योतिष, इतिहास और साहित्य से जुड़ा बहुमूल्य ज्ञान निहित है, जिसे अब आधुनिक तकनीक के माध्यम से सुरक्षित किया जाएगा।

पांडुलिपियों का स्वामित्व मूल संग्रहकर्ताओं के पास

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि पांडुलिपियों का स्वामित्व मूल संग्रहकर्ताओं के पास ही सुरक्षित रहेगा। प्रशासन और संस्कृति विभाग केवल उनके डिजिटलीकरण और दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया पूरी करेंगे, जिससे धरोहर संरक्षित रहते हुए ज्ञान का व्यापक प्रसार संभव हो सके। योगी सरकार की यह पहल प्रदेश में सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के साथ-साथ ज्ञान आधारित समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

इस अभियान के तहत ज्ञान भारतम् ऐप की मदद से सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा। सर्वे टीम पांडुलिपियों की पहचान कर उनका जीपीएस लोकेशन, फोटोग्राफ, संख्या और वर्तमान स्थिति का विवरण ऐप में अपलोड करेगी। इसके बाद संस्कृति विभाग की विशेषज्ञ टीम इन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण सुनिश्चित करेगी। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह पहल केवल धरोहर संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर नई पीढ़ी और वैश्विक शोध समुदाय तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी है।

- मंदिरों, मठों और निजी संग्रहों में सुरक्षित पांडुलिपियों का होगा डिजिटलीकरण
- ज्ञान भारतम् मोबाइल एप से होगा सर्वे, जीपीएस आधारित डाटा संग्रह
- शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को मिलेगा वैश्विक स्तर पर अध्ययन का अवसर

मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने की समीक्षा बैठक

वरुण विहार योजना जून में होगी लांच, कैलाश-काशी खण्ड में होंगे 2100 भूखण्ड

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। एलडीए की वरुण विहार योजना जून, 2026 में लांच होगी। प्रथम चरण में कैलाश खण्ड एवं काशी खण्ड के लगभग 2100 भूखण्डों के लिए पंजीकरण खोला जाएगा। जिसके लिए 1300 किसानों से 330 हेक्टेयर से अधिक भूमि खरीदी जा चुकी है। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गुरूवार को एलडीए के पारिजात सभागार में हुयी समीक्षा बैठक में प्राधिकरण की आवासीय योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी।

इस दौरान मण्डलायुक्त ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त आवासीय योजनाएं मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत स्वीकृत हैं। इसे ध्यान में रखते हुए भूमि के दाखिल खारिज आदि की कार्यवाही शीर्ष प्राथमिकता पर सुनिश्चित करायी जाए। जिससे कि आम लोगों को जल्द से जल्द बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सकें। बैठक में एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार, सचिव विवेक श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, एलडीए के अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा एवं सी0पी0 त्रिपाठी, मुख्य नगर नियोजक के0के0 गौतम समेत अन्य अधिकारी व अभियंता उपस्थित रहे।

भूमि मुद्रीकरण के प्रस्ताव पर चर्चा

बैठक में भूमि मुद्रीकरण के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुयी। इसमें 1090 चौराहा, ऐशबाग, हरिहरपुर एवं जानकीपुरम योजना के पास अतरौली में स्थित नगर निगम के स्वामित्व वाली भूमि के मुद्रीकरण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि उक्त भूमि प्राइम लोकेशन पर हैं और आवासीय एवं अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए काफी उपयोगी होंगी।

पड़ाव : इंटरनेशनल बौद्ध कॉन्क्लेव-2026 ने कुशीनगर में दिखाई असीम संभावनाओं की राह

उत्तर प्रदेश को आध्यात्मिक राजधानी बनाने के लक्ष्य में बौद्ध सर्किट बनेगा मजबूत नींव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की योगी सरकार की आकांक्षा में बौद्ध सर्किट एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनने जा रहा है। सारनाथ से कुशीनगर और श्रावस्ती से कपिलवस्तु तक फैला यह आध्यात्मिक गलियारा अब केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं रहा, यह वैश्विक पर्यटन, निवेश और सांस्कृतिक कूटनीति का एक शक्तिशाली माध्यम बन रहा है। हाल ही में कुशीनगर में संपन्न हुए इंटरनेशनल बौद्ध कॉन्क्लेव-2026 ने इस दिशा में एक नया अध्याय जोड़ा है जिसने इन केंद्रों पर वैश्विक निवेश के दरवाजे खोले हैं जो उत्तर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित

होंगे। कुछ दिनों पहले हुए इंटरनेशनल बौद्ध कॉन्क्लेव 2026 ने कुशीनगर को एक बार फिर विश्व के आध्यात्मिक मानचित्र पर केंद्र में ला खड़ा किया है। इस भव्य आयोजन में 2,300 से अधिक बौद्ध श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जबकि थाईलैंड, जापान, म्यांमार, भूटान और नेपाल से आये विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने इसे वास्तविक अर्थों में अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह रही कि कॉन्क्लेव के दौरान 3,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह आंकड़ा सिद्ध करता है कि बौद्ध सर्किट केवल श्रद्धा की धरती ही नहीं, बल्कि निवेश और विकास की उर्वर भूमि भी है।

तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव से बौद्ध पर्यटन केंद्रों में जुड़ेंगे कई ऐतिहासिक अध्याय

आध्यात्मिक राजधानी का सपना, बौद्ध सर्किट की ताकत

भगवान बुद्ध ने जिस धरती पर अपना पहला उपदेश दिया, जहां उन्होंने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया और जहां उनके अनुयायियों ने सदियों तक ज्ञान की लौ जलाए रखी, वह धरती आज उत्तर प्रदेश के रूप में एक नई वैश्विक पहचान गढ़ने को तैयार है।

आस्था से अर्थव्यवस्था तक का सफर

उत्तर प्रदेश का बौद्ध सर्किट लगातार मजबूत हो रहा है और इसके आंकड़े स्वयं इसकी कहानी कह रहे हैं। वर्ष 2025 में प्रदेश के छह प्रमुख बौद्ध स्थलों सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कौशाम्बी, संकिसा और कपिलवस्तु पर 82 लाख से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ। यह संख्या बताती है कि विश्वभर के बौद्ध अनुयायी और पर्यटकों की दृष्टि में अब उत्तर प्रदेश की पहचान एक अनिवार्य आध्यात्मिक गंतव्य के रूप में उभरी है। इन स्थलों को आधुनिक सुविधाओं, बेहतर सड़क और हवाई कनेक्टिविटी, डिजिटल गाइडेंस और अंतरराष्ट्रीय स्तर की पर्यटन सेवाओं से जोड़ा जा रहा है, ताकि विदेशी पर्यटकों के लिए अनुभव को सहज और आकर्षक बनाया जा सके। बौद्ध सर्किट स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति दे रहा है। होटल उद्योग, परिवहन सेवाएं, टूर गाइड, हस्तशिल्प

लखनऊ में ससुराल आए युवक की मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में यूकेलिप्टस के पेड़ से विद्युत केबल के सहारे लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। मवई पड़ियाना गांव के पश्चिम में ग्रामीणों ने राम प्रकाश के ट्यूबवेल के पास पेड़ से शव लटका देखा। उन्होंने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस ने जांच के दौरान मृतक की पहचान उसकी जेब में मिले आधार कार्ड से की। मृतक की पहचान माल थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी 32 वर्षीय निर्मल कुमार रावत के रूप में हुई। जांच में पता चला कि मृतक की ससुराल घटना स्थल से लगभग 4 किलोमीटर दूर अमावा गांव में है। निर्मल मजदूरी करता था। उसके परिवार में पत्नी सलोनी और तीन बेटियां हैं। पुलिस ने ससुराल वालों से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि निर्मल सोमवार को ससुराल आया था।

विधानसभा भ्रमण पर पहुंचा रोटरी क्लब प्रतिनिधिमंडल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। कानपुर से आए रोटरी क्लब ऑफ कानपुर के अध्यक्ष रो. गौरव अग्रवाल जैन के नेतृत्व में 25 सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज विधानसभा का भ्रमण किया तथा विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना जी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा की कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रियाओं एवं जनहित से जुड़े विषयों के संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना जी ने प्रतिनि-धिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें सदन की परंपराओं, नियमों एवं कार्य संचालन की प्रक्रियाओं से अवगत कराया। उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधानसभा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने का सर्वोच्च मंच है। साथ ही उन्होंने सामाजिक संगठनों एवं युवाओं को लोकतांत्रिक

- सदन की कार्यप्रणाली समझी, लोकतांत्रिक मूल्यों पर दिया गया संदेश

मूल्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

वार्ता के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि यहां आने से पहले उनकी धारणा कुछ भिन्न थी, किंतु भ्रमण के उपरांत विधानसभा के प्रति उनकी सोच सकारात्मक रूप से परिवर्तित हुई। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि वे यहां से लौटने के बाद आमजन के बीच विधानसभा की कार्यप्रणाली और महत्व की जानकारी साझा करें, ताकि समाज में व्याप्त भ्रांतियां दूर हो सकें।

खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव बोले- खिलाड़ियों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

अंतरराज्यीय महिला हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ

कार्यक्रम

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । जलालपुर स्थित आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज में चार दिवसीय अंतर-राज्यीय महिला हॉकी प्रतियोगिता का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव और बोधिसत्व यूनिवर्सिटी की चांसलर डॉ. मधुलिका सिंह ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता की शुरुआत की।

उद्घाटन के दौरान खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच देती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम से पहले मंत्री ने आचार्य नरेंद्र देव और स्वर्गीय अनिरुद्ध सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रतियोगिता के शुरुआती मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिससे दर्शकों में उत्साह बना रहा। कमेंट्री कुलवीर सिंह ने की, जिसने मैचों को और रोचक बना दिया।

आधिकारिक टीम में मनीष द्विवेदी, खुर्शीद अहमद, आशा आगरा, मेराज गोरखपुर, परवेज अख्तर और चांदनी सोनकर शामिल रहे।

कई प्रमुख हस्तियों की रही मौजूदगी

इस मौके पर कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष त्र्यंबक तिवारी, पूर्व सांसद रितेश पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष साधु वर्मा, चेयरमैन ओमकार गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीपक त्रिपाठी ने की। आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों की भी बड़ी भागीदारी रही।

कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी अनुपमा सिंह और आशुतोष सिंह ने संभाली। आयोजन को सफल बनाने में संयोजक देवेश मिश्र, कोषाध्यक्ष आनंद जायसवाल, सचिव सनी पांडे और सह-संयोजक आशुतोष सिंह की अहम भूमिका रही।

चार दिनों तक चलेगा आयोजन

यह प्रतियोगिता चार दिनों तक चलेगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की महिला टीमें भाग ले रही हैं। आयोजकों का उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर अवसर देना और क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

स्मार्ट मीटर को लेकर बढ़ी असमंजस की स्थिति

शिकायतों का अंबार, समाधान न होने से उपभोक्ताओं में नाराजगी

आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । स्मार्ट मीटर को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। जिले के हजारों विद्युत उपभोक्ता जिलाधिकारी से लेकर अधिशासी अभियंता तक शिकायत दर्ज करा चुके हैं, लेकिन अब तक अधिकांश मामलों का निस्तारण नहीं हुआ है।

उपभोक्ताओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल में अचानक बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा बिना सूचना के विद्युत आपूर्ति बाधित होने की समस्या भी सामने आ रही है।

इन मुद्दों को लेकर लगातार शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन

विभागीय स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं दिख रही है। शिकायतों के बावजूद समाधान न होने से उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों का आरोप है कि विद्युत विभाग इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रहा है।

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि उच्च न्यायालय का निर्णय उपभोक्ताओं के पक्ष में आने के बाद भी विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। अधिशासी अभियंता का कहना है कि उन्हें अभी तक उच्च अधिकारियों से कोई स्पष्ट निर्देश नहीं मिला है। इसी कारण इस मामले में कार्रवाई नहीं हो पा रही है। उपभोक्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए। उनका कहना है कि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो परेशानी और बढ़ सकती है।

फिलहाल यह मामला जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग विभागीय कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

शिक्षक संघ का 10 अप्रैल को प्रदर्शन

अम्बेडकरनगर । उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर 10 अप्रैल को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 1:30 बजे आयोजित होगा। इसका नेतृत्व जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह करेंगे। शिक्षक संघ ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कई लंबित समस्याओं को उठाया जाएगा। इसमें एनपीएस को अद्यतन करने, पुरानी पेंशन योजना में शामिल शिक्षकों की एनपीएस राशि को जीपीएफ में जमा कराने की मांग प्रमुख है।

बसखारी में ग्राम सचिव का ट्रांसफर चर्चा में

अम्बेडकरनगर । विकासखंड बसखारी में ग्राम सचिव शरद चंद्र के ट्रांसफर को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। उनका हाल ही में कटेहरी ब्लॉक से बसखारी ब्लॉक में स्थानांतरण हुआ है। विवाद की वजह यह है कि उनके पिता हंसवर ग्राम पंचायत के वर्तमान प्रधान हैं। इसे लेकर लोग नियमों और पारदर्शिता पर सवाल उठा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक ही ब्लॉक में पिता प्रधान और पुत्र सचिव की तैनाती से निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। कई लोग इसे सामान्य प्रक्रिया न मानकर विशेष प्रभाव का परिणाम बता रहे हैं।

टांडा तहसील में जनता दर्शन आयोजित

अंबेडकरनगर । टांडा तहसील में गुरुवार को जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी टांडा डॉ. शशि शेखर ने की। सुबह 10 बजे से शुरू हुई जनसुनवाई में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। जनता दर्शन के दौरान भूमि विवाद, पेंशन और राजस्व से जुड़े मामलों सहित कई शिकायतें प्राप्त हुईं। उप जिलाधिकारी ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को जल्द निस्तारण के निर्देश दिए।

महामाया मेडिकल कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की गाइडलाइन के तहत बृहस्पतिवार को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में मानसिक रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना था।

प्रधानाचार्य प्रो. मुकेश यादव ने कहा कि युवाओं में मानसिक रोगों के प्रति जागरूकता की कमी देखी जा रही है। उन्होंने छात्रों को समय रहते मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी।

कार्यक्रम में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज, सुन्दरलाल रामा नर्सिंग कॉलेज, सीबी सिंह लॉ कॉलेज, कालेज ऑफ नर्सिंग और महामाया मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एमआरएएमसी टीचर्स एसोसिएशन का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधांशु चंदेल, डॉ. पारूल यादव और डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने किया। डॉ. अनिल सिंह यादव और अन्य चिकित्सा शिक्षक भी उपस्थित रहे। नर्सिंग अफसर विजयश्री, सहायक लिपिक आशीष कुमार, अरविन्द त्रिपाठी, अनूप और आउटसोर्स कर्मी निशा व राकेश ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

छात्र-छात्राओं ने मानसिक रोगों से जुड़े कई सवाल पूछे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की गाइडलाइन के तहत छात्रों को दी जानकारी

तेज रफ्तार ट्राला ने बाइक और ठेले को मारी टक्कर, ट्रांसपोर्टर की मौत

श्रद्धालुओं से भरी कार बाल-बाल बची, ट्राला चालक फरार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मालीपुर के बीबीपुर इटौरी गांव के ट्रांसपोर्टर रोमित सिंह की बुधवार रात तेज रफ्तार ट्राला की टक्कर से मौत हो गई। हादसे में ठेले का दुकानदार घायल हो गया। दुर्घटना के समय ट्राला की चपेट में श्रद्धालुओं से भरी कार भी आई, लेकिन सभी यात्री सुरक्षित रहे।

रमित सिंह अपने परिवार के साथ अकबरपुर में किराए के मकान में रहते थे। बुधवार की रात वह बाइक से अकबरपुर लौट रहे थे। ताराखुर्द होते हुए अकबरपुर मार्ग पर पहुंचे ही थे कि सामने से आ रहे तेज गति ट्राला ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। बाइक चालक सड़क पर गिर पड़े।थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मौर्य ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से ट्राला

की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। तहरीर मिलने के बाद संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

रोमित सिंह की शादी पांच वर्ष पहले हुई थी। उनका चार साल का पुत्र रिशु है। वह अपने परिवार के साथ अकबरपुर में रहकर ट्रांसपोर्ट का काम करते थे। हादसे की खबर सुनते ही पत्नी और परिजन सदमे में हैं। हादसा तेज रफ्तार वाहन और सड़क पर नियंत्रण की कमी को उजागर करता है। स्थानीय लोग प्रशासन से अनुरोध कर रहे हैं कि ऐसे मार्गों पर सुरक्षा उपाय बढ़ाए जाएं और जिम्मेदार चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

ठेले पर हमला और घायल होने की घटना

टक्कर के बाद ट्राला चालक ने कजरी नंदापुर गांव के सुरजीत के ठेले में भी टक्कर मारी। इससे ठेला पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सुरजीत गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायल व्यक्तियों को जिला अस्पताल भेजा, जहां इलाज के दौरान रोमित सिंह की मौत हो गई। घटना के समय ट्राला चालक ने एक कार में भी टक्कर मारी, जिसमें पश्चिम बंगाल के 24 परगना के संजीत सरकार और उनके साथ अन्य श्रद्धालु सवार थे। कार सड़क के नीचे गिर गई, लेकिन सभी यात्री सुरक्षित रहे।

मुख्यमंत्री से एमएलसी हरिओम पांडेय की मुलाकात

अयोध्या और अंबेडकरनगर के विकास मुद्दों पर हुई चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा हुई।

मुलाकात के दौरान हरिओम पांडेय ने अयोध्या और अंबेडकरनगर से जुड़े कई अहम मुद्दे उठाए। उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

इसके साथ ही नई परियोजनाओं को मंजूरी देने का आग्रह भी किया गया, ताकि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा सके। बैठक में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सेवाओं से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। क्षेत्रवासियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता वाले कार्यों को आगे बढ़ाने की बात कही गई।मुलाकात के बाद हरिओम पांडेय ने मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को गति देने के लिए यह बैठक महत्वपूर्ण रही।

मनरेगा पार्क निर्माण में अनियमितता

आशापार गांव में लाखों की लागत से बना पार्क कुछ ही महीनों में क्षतिग्रस्त

मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । विकास खंड भियांव अंतर्गत ग्राम पंचायत आशापार में मनरेगा योजना के तहत बने पार्क की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद निर्माण कार्य कुछ ही महीनों में खराब होने लगा है।

जांच में अनियमितताएं मिलने के बाद भी अब तक किसी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मामला केवल विभागीय पत्राचार तक सीमित बताया जा रहा है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

ग्रामीणों ने विकास खंड स्तर के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बीडीओ और एडीओ (आरडी) ने

कथित रूप से कमीशन लेकर मामले को दबा दिया। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि उन्हें लगातार गुमराह किया गया और उनकी शिकायतों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों ने ऑडिट टीम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि जांच निष्पक्ष नहीं हुई और औपचारिकता निभाकर ग्राम प्रधान और सचिव को क्लीन चिट दे दी गई।

मामला सामने आने के बाद अब ग्रामीण जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। लोगों की नजर जिला अधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी पर है।

ग्रामीणों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लग सके। आशापार का यह मनरेगा पार्क पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों ने सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य माध्यमों से शिकायत दर्ज कराई है और मामले की गहन जांच की मांग की है।

निरीक्षण में उजागर हुई तकनीकी खामियां

मामले की जांच के लिए प्रांतीय लोक निर्माण विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। जांच में कई गंभीर खामियां सामने आईं। बाउंड्री वॉल के आरसीसी पिलर टूटे पाए गए और लोहे की जाली क्षतिग्रस्त मिली।

सबसे गंभीर तथ्य यह रहा कि तीन पिलरों में सरिया बाहर दिखाई नहीं दिया। एक पिलर में सरिया का उपयोग ही नहीं किया गया। इसके अलावा इंटरलॉकिंग टाइल्स का निर्माण भी तय मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया।

फर्जी जन्म प्रमाणपत्र कांडः एएनएम निलंबित, ऑपरेटर पर कार्रवाई

शिकायत के बाद खुला मामला, जांच में अनियमितता की पुष्टि

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। जहांगीरगंज सीएचसी के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नरियांव में तैनात एएनएम रामरती देवी को निलंबित कर दिया गया है। वहीं कंप्यूटर ऑपरेटर अंजनी कुमार को सेवा समाप्त करने का नोटिस जारी किया गया है। यह कार्रवाई शिकायत और जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई। यह मामला राजेसुल्तानपुर क्षेत्र के घिन्हापुर गांव निवासी पंकज कुमार की शिकायत के बाद सामने आया। पंकज ने करीब 15 दिन पहले जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिकायत दी थी। आरोप था कि स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी अवैध तरीके से जन्म प्रमाणपत्र जारी कर रहे हैं।

शिकायत के अनुसार, फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने के लिए एक से दो हजार रुपये तक लिए जाते थे। पंकज कुमार ने पैसे मांगने से जुड़ा एक ऑडियो भी रिकॉर्ड किया था, जिसे साक्ष्य के रूप में अधिकारियों को सौंपा गया। इस ऑडियो के आधार पर मामले को गंभीरता से लिया गया।

मामले की जांच की जिम्मेदारी डिप्टी सीएमओ डॉ. उदयचंद को दी गई। जांच के दौरान आरोपों में अनियमितता पाई गई। रिपोर्ट तैयार कर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सौंपी गई, जिसके बाद कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार शैवाल ने बताया कि संदिग्ध तरीके से जारी किए गए सभी जन्म प्रमाणपत्रों की जांच कराई जा रही है। जो प्रमाणपत्र फर्जी पाए जाएंगे, उन्हें निरस्त किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने संकेत दिए हैं कि मामले में आगे भी कार्रवाई संभव है।

दुल्लापुर में भीषण आग, छप्पर और मवेशी जलकर खाक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दुल्लापुर में गुरुवार को भीषण आग लगने से एक परिवार का आशियाना पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना शिव बाबा मंदिर के पास की है। आग में छप्पर के नीचे बंधी करीब 20 बकरियों की जलकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी भुलई पाल के घर में अज्ञात कारणों से आग लगी। जिस छप्पर में बकरियां बंधी थीं, उसी के नीचे परिवार भी रहता था। आग अचानक भड़क गई और कुछ ही देर में पूरे छप्पर को अपनी चपेट में ले लिया।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि मवेशियों को बाहर निकालने का मौका नहीं मिल सका। देखते ही देखते छप्पर और उसमें रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया।

घटना के दौरान आग बुझाने के प्रयास में भुलई पाल की पत्नी झुलस गईं। उन्हें एंबुलेंस की मदद

20 बकरियों की मौत, महिला झुलसी परिवार को भारी नुकसान

से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों ने मिलकर काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक पूरा घर और मवेशी जल चुके थे।इस हादसे में परिवार को भारी आर्थिक क्षति हुई है। छप्पर, घरेलू सामान और मवेशियों के नष्ट होने से परिवार पर संकट आ गया है।

नियम : बिना रजिस्ट्री नहीं मिलेगा योजनाओं का लाभ, 8 अप्रैल से लागू नियम

फार्मर आईडी अनिवार्य

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री यानी किसान पहचान पत्र अब अनिवार्य कर दिया गया है। कृषि विभाग और खाद्य एवं रसद विभाग की योजनाओं का लाभ लेने के लिए 8 अप्रैल 2026 से फार्मर आईडी जरूरी होगी। बिना इस पहचान पत्र के किसानों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल सकेगा। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 6 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत किसानों के फार्मर आईडी बनाए जा रहे हैं। किसान अपने नजदीकी शिविर में जाकर आसानी से पंजीकरण करा सकते हैं।

जनपद में कुल 3,42,858

फार्मर आईडी बनवाने के लिए किसानों को खतौनी, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर साथ ले जाना होगा। इन दस्तावेजों के आधार पर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी की जा रही है। विभाग ने किसानों से समय रहते अपना पंजीकरण कराने की अपील की है।

फार्मर आईडी बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। अब तक 3,15,518 किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है। अभी भी 27,340 किसानों का फार्मर आईडी बनना बाकी है। विभाग इन शेष किसानों को अभियान के जरिए जोड़ने में जुटा है।

राज्य सरकार ने केंद्र सरकार की नीति के अनुरूप अन्य विभागों में भी इस व्यवस्था को लागू करने का निर्णय लिया है। उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता और लघु सिंचाई विभाग की योजनाओं में भी अब किसान पहचान पत्र के आधार पर ही लाभ दिया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि इस व्यवस्था से योजनाओं का लाभ सही किसानों तक पहुंचेगा और पारदर्शिता बढ़ेगी।

एमएसपी खरीद में भी जरूरी हुआ किसान पहचान पत्र

जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर होने वाली सभी सरकारी खरीद में भी फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी गई है। अब केवल उन्हीं किसानों से फसल खरीदी जाएगी, जिनके पास वैध किसान पहचान पत्र होगा। यह नियम तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

भविष्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्तें भी केवल उन्हीं किसानों को मिलेंगी, जिनके पास फार्मर आईडी होगी। इसके जरिए लाभार्थियों की सही पहचान और पारदर्शिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

अम्बेडकरनगर में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । किसानों के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है। जिला कृषि विभाग के अनुसार जनपद में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी और एमओपी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वर्तमान स्थिति के अनुसार वितरण के बाद भी सहकारिता और निजी क्षेत्र में यूरिया 12482 मीट्रिक टन, डीएपी 4006 मीट्रिक टन, एनपीके 2941 मीट्रिक टन, एसएसपी 13653 मीट्रिक टन और एमओपी 149 मीट्रिक टन उपलब्ध है। जिले को अयोध्या रैक प्वाइंट से जल्द ही यूरिया की नई खेप मिलने वाली है। इसमें सहकारिता क्षेत्र के लिए एनएफएल कंपनी की 113 मीट्रिक टन और निजी क्षेत्र के लिए 427 मीट्रिक टन यूरिया शामिल है। कुल 540 मीट्रिक टन यूरिया जिले में पहुंचने की उम्मीद है। किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए आधार कार्ड और खतौनी या जोत बही लाना अनिवार्य है। निर्धारित मात्रा के अनुसार ही खाद दिया

यूरिया, डीएपी समेत सभी प्रमुख खाद का स्टॉक मौजूद, जल्द पहुंचेगी नई खेप

जाएगा। सभी उर्वरक बिक्री केंद्रों पर पीओएस मशीन के माध्यम से निर्धारित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। उर्वरक से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। किसान हेल्पलाइन नंबर 9455485475 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि जनपद में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति व्यवस्था लगातार सुचारु रखी जा रही है।

सम्पादकीय

पश्चिम एशिया-बिना समाधान वाली शांति

अमेरिका और ईरान के बीच घोषित हुआ नाजुक युद्धविराम किसी संघर्ष का अंत नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया की राजनीति के एक और जटिल एवं अनिश्चित चरण की शुरुआत है। जो घटनाक्रम सामने आया, वह किसी स्पष्ट सैन्य विजय का परिणाम नहीं, बल्कि राजनीतिक दबावों, रणनीतिक भूलों और बदलते वैश्विक समीकरणों का मिश्रण है। हालांकि युद्धविराम से ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ तात्कालिक राहत मिली हो, किंतु इसके गहरे निहितार्थ एक ऐसी स्थिति का संकेत करते हैं जहां भारी सैन्य दबाव के बावजूद ईरान अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में उभरता दिखा। इस संघर्ष की जड़ें ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर लंबे समय से चली आ रही चिंताओं में निहित हैं। इजरायल इसे अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता रहा और उसने उसकी परमाणु क्षमता को कमजोर करने के उद्देश्य से सैन्य कार्रवाई को उचित ठहराया। अमेरिका इस रणनीति के साथ हमेशा खड़ा दिखाई दिया, खासतौर से ट्रंप के दौर में और मजबूती से। इसके पीछे एक व्यापक लक्ष्य ईरान की इस्लामिक व्यवस्था को कमजोर करना या उसे बदलना भी था।

यह मान लिया गया था कि बाहरी सैन्य दबाव ईरान के भीतर असंतोष भड़का देगा और जनता सरकार के खिलाफ उठ खड़ी होगी। इस धारणा के उलट हमलों ने ईरानी समाज में एक तरह की एकजुटता पैदा कर दी और लोग सरकार के पीछे लामबंद हो गए। युद्ध में अपेक्षाओं की पूर्ति न होने के कारण अमेरिका को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार के लिए विवश होना पड़ा। ईरान की परमाणु क्षमता नष्ट नहीं हुई। उसकी राजनीतिक व्यवस्था बरकरार रही और उसकी सैन्य शक्ति को निर्णायक रूप से कमजोर नहीं किया जा सका। जैसे-जैसे संघर्ष लंबा खिंचता गया, वैसे-वैसे अमेरिका के लिए उसकी लागत बढ़ती गई, वह भी सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक भी। अमेरिका में होने वाले मध्यावधि चुनावों ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया।

ट्रंप प्रशासन के लिए यह जरूरी हो गया था कि वह एक ऐसे युद्ध से बाहर निकले जो घरेलू स्तर पर लोकप्रिय नहीं था। ट्रंप के समर्थक वर्ग में भी इस युद्ध को लेकर असहजता दिखाई देने लगी थी। इसके अलावा, ईरान के नागरिक ढांचे पर हमले की धमकियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध अपराधों को लेकर बहस को जन्म दिया, जिससे अमेरिका की नैतिक स्थिति भी कमजोर हुई। मौजूदा माहौल में युद्धविराम किसी कूटनीतिक सफलता से ज्यादा एक रणनीतिक मजबूरी जैसा प्रतीत होता है। इस प्रक्रिया में पाकिस्तान और चीन की भूमिका का सामने आना भी वैश्विक राजनीति के शक्ति संतुलन में बदलाव को दर्शाता है। पाकिस्तान का मध्यस्थ के रूप में उभरना ध्यान देने योग्य है। वहीं, चीन की भूमिका यह दिखाती है कि वह अब सिर्फ आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि कूटनीतिक रूप से भी प्रभावशाली है।

होर्मुज जलमार्ग इस घटनाक्रम का एक अहम पहलू बनकर उभरा। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत ऊर्जा संसाधनों की ढुलाई इसी मार्ग के जरिये होती है। युद्धविराम के बाद भी यदि ईरान इस मार्ग पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखता है, तो यह वैश्विक शक्ति संतुलन में एक बड़ा बदलाव होगा। भले ही यह नियंत्रण औपचारिक रूप से घोषित न हो, पर यदि जहाजों की आवाजाही ईरान की निगरानी या शर्तों के तहत होती है, तो इससे उसकी रणनीतिक स्थिति मजबूत होगी। संभव है ईरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाए। इसका सीधा असर वैश्विक तेल बाजार पर पड़ेगा। तेल की कीमतों में वृद्धि, परिवहन लागत में इजाफा और बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी हो सकती हैं, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगी। भारत जैसे देश के लिए इसके गहरे निहितार्थ होंगे, जो अपनी आवश्यकता का अधिकांश तेल एवं गैस आयात करता है। भारत को अपनी कूटनीतिक रणनीति बेहद संतुलित रखनी होगी, क्योंकि उसके संबंध ईरान, इजरायल और अमेरिका, तीनों के साथ महत्वपूर्ण हैं। इस संघर्ष विराम के साथ ही भारत में इसे लेकर राजनीतिक बहस भी तेज हो गई है। कुछ विपक्षी नेताओं का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान ने कूटनीतिक बढ़त हासिल कर ली। हालांकि यह तर्क आंशिक रूप से राजनीतिक है, पर आज के दौर में, जहां मध्यम शक्तियां भी क्षेत्रीय राजनीति को प्रभावित कर रही हैं, वहां भारत के लिए यह जरूरी हो जाता है कि वह अपनी कूटनीतिक उपस्थिति को और मजबूत करे। यह युद्धविराम हमें यह सिखाता है कि केवल सैन्य शक्ति के बल पर जटिल भू-राजनीतिक समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। जहां अमेरिका और इजरायल जैसे शक्तिशाली देश पूरी ताकत लगाने के बावजूद अपने सभी उद्देश्यों को हासिल नहीं कर सके, वहीं ईरान ने अपनी स्थिति को न केवल बनाए रखा, बल्कि उसे मजबूत भी किया। आने वाले दिन तय करेंगे कि यह युद्धविराम स्थायी शांति की ओर बढ़ता है या फिर एक और बड़े संघर्ष की भूमिका तैयार करता है।

ईरान अमेरिका इजराइल युद्ध में दुविधा में भारत

> दूसरी ओर ईरान के साथ भारत के संबंध केवल आधुनिक राजनीति तक सीमित नहीं हैं। प्राचीन काल में भारतीय उपमहाद्वीप और पश्चिम एशिया के बीच सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्क स्थापित थे। आधुनिक दौर में भी ईरान भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा है।

जब से इज़राइल और अमेरिका ने ईरान पर सैन्य कार्रवाई की है, भारत की स्थिति अत्यंत दुविधापूर्ण हो गई है। यह दुविधा केवल कूटनीतिक नहीं बल्कि रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा से जुड़ी हुई है। एक ओर इज़राइल भारत का महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार है, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ भारत के संबंध हजारों वर्षों पुराने सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्कों पर आधारित हैं। ऐसे में किसी एक पक्ष के समर्थन का निर्णय भारत के लिए दूरगामी परिणाम ला सकता है। इज़राइल पिछले कई वर्षों से भारत का विश्वसनीय रक्षा सहयोगी रहा है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई हो या सीमाई सुरक्षा के संवेदनशील मुद्दे, इज़राइल ने कई अवसरों पर भारत का साथ दिया है। भारत की रक्षा प्रणाली में इज़राइल से प्राप्त तकनीक और उपकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यही कारण है कि भारत के सुरक्षा दृष्टिकोण से इज़राइल को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार माना जाता है। यदि भारत खुलकर ईरान का समर्थन करता है, तो इस रक्षा सहयोग पर असर पड़ सकता है, जो भारत की सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। भारत की तेल और गैस जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र से आता है। इसके अतिरिक्त ईरान में चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो भारत को मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुँच का वैकल्पिक मार्ग प्रदान करती है। इसलिए ईरान के साथ संबंधों में किसी भी प्रकार का तनाव भारत के आर्थिक और सामरिक हितों को प्रभावित कर सकता है। इस पूरे परिदृश्य में अमेरिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अमेरिका वैश्विक राजनीति में एक प्रभावशाली शक्ति है और उसके साथ भारत के संबंध पिछले वर्षों में मजबूत हुए हैं। ऐसे में भारत अमेरिका के साथ अनावश्यक तनाव पैदा नहीं करना चाहता। विशेष रूप से तब, जब वैश्विक राजनीतिक वातावरण पहले से ही अस्थिर है। अमेरिका के नेतृत्व की नीति अक्सर तेज और अप्रत्याशित निर्णयों से प्रभावित रहती है, जिससे अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य अचानक बदल सकता है। भारत के लिए यह स्थिति और भी जटिल हो जाती है, क्योंकि उसे अपने तीनों महत्वपूर्ण साझेदारों अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच संतुलन बनाए रखना पड़ रहा है।

इस संकट का एक और महत्वपूर्ण पहलू होर्मुज जलडमरूमध्य है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्ति मार्ग माना जाता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से आयात करता है। यदि इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होता है तो इसका सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है। ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान का असर केवल ईंधन की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन, कृषि, उद्योग, निर्माण, प्लास्टिक, उर्वरक और उपभोक्ता वस्तुओं तक व्यापक रूप से फैल जाता है। इससे महंगाई बढ़ सकती है और आर्थिक गतिविधियों पर दबाव पड़ सकता है। यही कारण है कि इस संकट के दौरान भारत को अत्यंत सावधानी से कदम उठाने पड़ रहे हैं। भारत सरकार की भूमिका एक जिम्मेदार और संतुलित राष्ट्र की है। सरकार केवल जनभावनाओं के आधार पर निर्णय नहीं ले सकती क्योंकि उसके निर्णय का प्रभाव दीर्घकालिक और बहु- आयामी होता है। यदि भारत ईरान का खुलकर समर्थन करता है, तो इज़राइल के साथ उसके रक्षा संबंध प्रभावित हो सकते हैं। यह स्थिति विशेष रूप से संवेदनशील हो सकती है, क्योंकि भारत पहले से ही क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में रक्षा सहयोग में किसी भी प्रकार की कमी रणनीतिक जोखिम पैदा कर सकती है। वहीं यदि भारत इज़राइल के पक्ष में खुलकर खड़ा होता है तो ईरान के साथ संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। इससे ऊर्जा आपूर्ति, क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं और कूटनीतिक संतुलन पर असर पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त ईरान के साथ संबंधों में तनाव का प्रभाव होर्मुज मार्ग की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर भी पड़ सकता है। इस स्थिति में भारत के लिए महंगाई, ऊर्जा संकट और आर्थिक दबाव जैसी चुनौतियाँ बढ़ सकती हैं।

इस पूरे परिदृश्य में पाकिस्तान जैसे क्षेत्रीय कारक भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यदि भारत की किसी एक पक्ष के साथ निकटता बढ़ती है तो क्षेत्रीय राजनीति में नए समीकरण बन सकते हैं। ऐसी स्थिति में भारत को और अधिक संतुलित और सतर्क कूटनीति अपनानी होगी। पाकिस्तान यहाँ दुहरी चाल चल सकता है. वह भारत से ईरान की नजदीकी का फायदा भारत और इजराइल के बीच खाई बढ़ाने में कर सकता है और अपने हमले को बढ़ा सकता है और मौके का फायदा उठाने के लिए युद्ध भी थोप सकता है. भारत का उद्देश्य किसी भी संघर्ष में पक्ष लेने के बजाय स्थिरता और संवाद को बढ़ावा देना होना चाहिए।

भारत की वर्तमान नीति इस संतुलन को बनाए रखने की दिशा में दिखाई देती है। भारत ने अब तक संयमित प्रतिक्रिया दी है और शांति तथा संवाद का समर्थन किया है। यह नीति भारत के दीर्घकालिक हितों के अनुरूप है। भारत की प्राथमिकता ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा, समुद्री मार्गों की स्थिरता और क्षेत्रीय शांति सुनिश्चित करना है। इस समय भारत का ध्यान स्थिति को और अधिक जटिल बनाने के बजाय तनाव कम करने पर होना चाहिए। इस संकट ने एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को भी उजागर किया है रणनीतिक तैयारी की। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएँ अचानक सामने आती हैं और उनका प्रभाव दूरगामी होता है। ऐसे में भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री मार्गों और कूटनीतिक विकल्पों के लिए स्पष्ट रणनीतिक ढाँचा विकसित करना होगा। होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के लिए विशेष रणनीति बनाना समय की मांग है। इससे भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बेहतर तरीके से निपटा जा सकेगा। अमेरिका ने युद्ध विराम की घोषणा करते हुए पाकिस्तान का उल्लेख किया, लेकिन पाकिस्तान की सक्रियता के कारण थे। पाकिस्तान की स्थिति भारत से अधिक फंसी हुई थी, तेल की कीमतें आसमान छूने लगी थी यहां तक कि उसे लिमिटेड लॉक डाउन तक लगाना पड़ा लेकिन इससे बड़ी परेशानी उसकी ये थी कि ईरान सऊदी पर लगातार हमला कर रहा था और सऊदी के साथ सुरक्षा का उसने समझौता किया था।

पंकज जायसवाल

पश्चिम एशिया लंबे समय...

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका-ईरान युद्धविराम एक सकारात्मक कदम

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित युद्धविराम न सिर्फ इन दोनों देशों के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए राहत भरी खबर है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव लंबे समय से वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा बना हुआ था।सबसे पहले, युद्धविराम से क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा मिलेगा। मध्य-पूर्व पहले ही कई संघर्षों से जूझ रहा है, और ऐसे में किसी बड़े युद्ध का टलना लाखों लोगों की जान बचा सकता है। साथ ही, यह इजरायल जैसे देशों के लिए भी राहत की स्थिति पैदा करेगा, जो इस तनाव से सीधे प्रभावित होते हैं।

दूसरा, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा। युद्ध के दौरान तेल की कीमतों में तेजी आती है, जिससे भारत जैसे तेल आयातक देशों पर बोझ बढ़ता है। युद्धविराम से तेल बाजार में स्थिरता आएगी और महंगाई पर नियंत्रण में मदद मिलेगी।तीसरा, यह कूटनीतिक प्रयासों की जीत भी मानी जाएगी। यदि बातचीत और समझदारी से विवाद सुलझते हैं, तो यह दुनिया के अन्य देशों के लिए भी एक उदाहरण बनेगा कि संघर्ष का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि संवाद है।हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि युद्धविराम स्थायी शांति की गारंटी नहीं होता। जब तक दोनों पक्ष अपने मतभेदों के मूल कारणों को दूर नहीं करते, तब तक तनाव दोबारा बढ़ सकता है। अमेरिका-ईरान युद्धविराम एक सकारात्मक कदम है, जो न केवल तत्काल संकट को टालता है, बल्कि विश्व शांति और स्थिरता की दिशा में उम्मीद की किरण भी जगाता है।

पश्चिम एशिया लंबे समय से संघर्ष, तनाव और अस्थिरता का केंद्र रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने न केवल क्षेत्रीय शांति को खतरे में डाला, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर असर डाला है। ऐसे में दोनों देशों के बीच युद्धविराम की पहल निस्संदेह एक सकारात्मक और स्वागतयोग्य कदम है।सबसे पहले, यह युद्धविराम मानवता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। किसी भी युद्ध में सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। जान-माल की हानि, विस्थापन और भय का वातावरण—ये सब युद्ध के दुष्परिणाम हैं। युद्धविराम से कम-से-कम इस पीड़ा को कुछ हद तक कम करने का अवसर मिलता है। दूसरे, यह कदम क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। मध्य पूर्व पहले ही कई संघर्षों से जूझ रहा है। यदि अमेरिका और ईरान जैसे शक्तिशाली देश संयम दिखाते हैं, तो इससे अन्य देशों को भी संवाद और कूटनीति का मार्ग अपनाने की प्रेरणा मिलेगी।आर्थिक दृष्टि से भी यह युद्धविराम राहत लेकर आता है। युद्ध की स्थिति में तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव होता है, जिसका सीधा प्रभाव भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ता है। युद्धविराम से वैश्विक बाजारों में स्थिरता आने की उम्मीद बढ़ती है, जिससे आम जनता पर महंगाई का दबाव कम हो सकता है।हालांकि, यह समझना भी आवश्यक है कि युद्धविराम केवल पहला कदम है, अंतिम समाधान नहीं। स्थायी शांति के लिए दोनों देशों को आपसी विश्वास बहाली, संवाद और कूटनीतिक प्रयासों को मजबूत करना होगा। अतीत में कई बार समझौते हुए, लेकिन अविश्वास और राजनीतिक हितों के कारण वे टिक नहीं सके। इसलिए इस बार दोनों पक्षों को गंभीरता और प्रतिबद्धता दिखानी होगी। अमेरिका-ईरान युद्धविराम एक आशा की किरण है। यह दर्शाता है कि संवाद और समझदारी के जरिए बड़े से बड़े विवाद को भी सुलझाया जा सकता है। अब जरूरत इस बात की है कि इस अवसर को स्थायी शांति में बदला जाए, ताकि पूरी दुनिया एक अधिक सुरक्षित और स्थिर भविष्य की ओर बढ़ सके। पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की खबर वैश्विक स्तर पर राहत का संदेश लेकर आई है। विशेष रूप से हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य का खुलना अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक शांति के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

सीजफायर में ...

राजेश श्रीवास्तव

झुक गया अमेरिका और शेर बन गया पाकिस्तान

40 दिन तक ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच घमासान छिड़ने के बाद सीजफायर हो गया। इस युद्ध में दो बड़ी चीजें निकल कर आयीं. एक तो दुनिया का सबसे बड़ी ताकत रखने वाला ट्रंप ईरान जैसे देश के सामने कैसे झुक गया, यह पूरी दुनिया ने देख लिया। ईरान ने दस सूत्रीय मांगे भेजी, उन सभी शर्तों पर अमेरिका ने हामी भर ली। एक तरह से कहें तो ईरान ने अपनी शर्तों पर ही समझौता किया। होर्मुज स्टेट खोला तो लेकिन अपनी मर्जी और अपने कहे पर। अमेरिका की किसी भी धमकी पर उसने घुटने नहीं टेके। और दूसरी जो अहम बात उजागर हुई वह यह कि इस पूरी महफिल को पिद्दी पाकिस्तान ने लूट लिया। खुद अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान को इसका क्रेडिट दे दिया जबकि भारत इस पर मुंह ताकता रह गया। दुनिया में विश्वगुरू बनने का ऐलान करने वाला भारत अब इस पूरे मामले पर बहुत पीछे रह गया है। दरअसल भारत सबके साथ रहता है और सबके साथ रहने का दावा करता है लेकिन किसी शख्स ने कहा है कि जो सबका होता है वह किसी का नहीं होता और इसीलिए भारत को इस पूरे मामले में कहीं किसी ने कुछ नहीं समझा। खुद ईरान ने भी कहा कि अगली 10 अप्रैल की बैठक इस्लामाबाद में होगी।

अमेरिका-ईरान के बीच दो हफ्तों का युद्धविराम हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान करते हुए इसे 'विश्व शांति के लिए बड़ा दिन' करार दिया है। अमेरिका और ईरान दोनों ने इसके पीछे पाकिस्तान की कोशिशों की तारीफ की है। सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक में पाकिस्तान की वाहवाही हो रही है मगर, भारत में आतंक फैलाने वाला पाकिस्तान क्या वाकई में शांति का सूत्रधार है, या इसके पीछे कोई अलग ही खेल चल रहा है। यह भी सवाल उठ रहा है कि भारत क्या इस मामले में कूटनीतिक तौर पर पीछे रह गया है।

अमेरिका-ईरान सीजफायर में पाकिस्तान की भूमिका वाकई में काबिले-तारीफ है। इस मामले में पाकिस्तान ने बढ़त बना ली है। मध्यस्थता वही करा सकता है, जिस पर दोनों पक्षों को भरोसा है। ऐसे में दुनिया में पाकिस्तान का कद बढ़ा है। खासतौर पर मुस्लिम दुनिया में। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बाकायदा पाकिस्तान का नाम लिया है, जो बड़ी बात है लेकिन यह भी सच है कि पाकिस्तान ने भले ही सीजफायर करा दिया हो, मगर वह विश्वगुरु नहीं बन सकता है क्योंकि पाकिस्तान की आर्थिक ताकत भारत जैसी नहीं है। भारत ने जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था का खिताब पिछले साल ही हासिल कर लिया था। अब वह जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। पाकिस्तान की मध्यस्थता से अमेरिका-ईरान के बीच सीजफायर हुआ है। अब इससे पाकिस्तान की दुनिया की तीनों महाशक्तियों के बीच पैठ बढ़ी है।

जरा हटके

स्वयं ब्रजभूषण सिंह...

पं. अरुण शुक्ला

अवध से पाटलिपुत्र तक-ब्रजभूषण शरण सिंह के बढ़ते 'दबदबे' के नए मायने

भारतीय राजनीति में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जिन्हें न तो सत्ता की सीमाओं में बांधा जा सकता है और न ही चुनावी हार-जीत के तराजू पर पूरी तरह तौला जा सकता है। अवध की राजनीति के शिखर पुरुष ब्रजभूषण शरण सिंह आज इसी श्रेणी में खड़े नजर आ रहे हैं। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य गवाह है कि वे केवल एक क्षेत्र तक सीमित रहने वाले नेता नहीं, बल्कि धनबल, बाहुबल और जनबल के एक ऐसे त्रिकोण का निर्माण कर रहे हैं, जिसका केंद्र गोंडा और कैसरगंज भले हो, लेकिन इसकी धमक अब दिल्ली और पटना तक सुनाई दे रही है।

सत्ता का विस्तार: अवध की सीमाएं लांघता प्रभाव

ब्रजभूषण शरण सिंह की रणनीति अब केवल बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, अयोध्या और कैसरगंज की पांच-छह सीटों तक सीमित नहीं है। उनकी पूरी कोशिश इन क्षेत्रों में एक ऐसा अभेद्य किला तैयार करने की है, जहाँ राजनीति का हर रास्ता उनके 'दबदबे' से होकर गुजरे। हाल ही में उनकी पुत्री शालिनी सिंह की पुस्तक का दिल्ली में विमोचन इसका जीवंत प्रमाण है। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश और बिहार के दिग्गजों की उपस्थिति ने यह साफ कर दिया कि सिंह परिवार का सामाजिक और राजनीतिक दायरा अब राज्यों की सीमाओं को पार कर चुका है।

बिहार में ऐतिहासिक उलटफेर: बिस्कोमान की जीत

राजनीति में 'साख' केवल भाषणों से नहीं, रणनीतिक जीत से बनती है। ब्रजभूषण शरण सिंह के दामाद विशाल

सिंह ने पटना स्थित बिस्कोमान (Biscomaun) के अध्यक्ष पद पर जो जीत हासिल की है, वह साधारण नहीं है। पिछले 21 वर्षों से इस महत्वपूर्ण संस्था पर सुनील सिंह का एकछत्र राज था। विशाल सिंह ने उस कब्जे को उखाड़ फेंका, जो ब्रजभूषण शरण सिंह की दूरगामी रणनीति और उनके परिवार की मजबूत राजनीतिक विरासत का परिचायक है। विशाल सिंह स्वयं एक प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार से आते हैं, जिनके दादा तपेश्वर सिंह, पिता अजित सिंह और माता मीना सिंह—तीनों सांसद रह चुके हैं। अब शालिनी सिंह की इस 'दबदबा क्षेत्र' में सक्रियता एक नए अध्याय की शुरुआत है।

पारिवारिक शक्ति और भविष्य की राह

ब्रजभूषण सिंह ने अपने परिवार को राजनीति के हर मोर्चे पर तैनात कर दिया है:

प्रतीक भूषण सिंह: विधायक के रूप में स्थानीय पकड़ मजबूत कर रहे हैं।

करण भूषण सिंह: सांसद के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

स्वयं ब्रजभूषण सिंह: हरियाणा के आंदोलनों के उतार और कानूनी अड़चनों के बाद भी उनकी सक्रियता कम नहीं हुई है। बल्कि सांसद पद की व्यस्तता न होने के कारण उन्होंने अपनी देशव्यापी यात्राओं के जरिए 'जनसंपर्क' को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है।

मानवता और जनसेवा का संकल्प

राजनीतिक समीकरणों से इतर, ब्रजभूषण शरण सिंह के व्यक्तित्व का एक पहलू उनकी सर्वधर्म समभाव और मानवतावादी दृष्टिकोण भी है। जाति और धर्म की संकीर्ण दीवारों से ऊपर उठकर उन्होंने एक जनसेवक के रूप में अपनी छवि गढ़ी है। 'कोशिश' सोसाइटी ऐसे सशक्त नेतृत्व का सम्मान करती है जो समाज के कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहे।

निष्कर्ष:

यदि भविष्य में शालिनी सिंह नोएडा जैसी महत्वपूर्ण सीट से चुनावी मैदान में उतरती हैं, तो यह ब्रजभूषण शरण सिंह की पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सीधी एंट्री होगी। अवध से पूर्वांचल और अब पश्चिम तक, ब्रजभूषण सिंह ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि उन्हें नजरअंदाज करना नामुमकिन है। राजनीति में समय का पहिया कब और किस करवट बैठेगा, यह तो भविष्य ही बताएगा, लेकिन वर्तमान में उनका बढ़ता प्रभाव एक बड़े 'सियासी खेल' की आहट दे रहा है।

परिस्थिति और भाव

परिस्थिति और भाव दोनों हमारे सदा निकट होते हैं । हमारी जैसी परिस्थिति हैं, वैसा भाव हो जाता हैं । वह जैसा भाव हैं, वैसी परिस्थिति हो जाती हैं । हम अपने जीवन को लेकर अपनी समझ को थोड़ा गहरा करें । वह जरूरी नहीं किसी के हर कदम का प्रतिक्रिया स्वरूप हमारा व्यवहार है । हम जब अपने मन को शांत रखते हुए चीजों एवं परिस्थितियों को सही-सही देखना शुरू करेंगे तो हमारा मन पाप से नफरत करेगा, पापी से कभी नहीं। हमारे जीवन में कभी कोई ऐसी समस्या का विषय अकस्मात आ पड़ता है जो त्वरित हल मांगता है। हमारे द्वारा ऐसे में पहले कारण नहीं तुरंत हल ही खोजा जाता है। हम यह याद रखें कि हमारे सोचने के ढंग से ही हमारी भावनाएं क्रियान्वित होंगी ।अतः हमारी सोच सदा सही-सही समुचित हो । स्थानांग सूत्र में दो प्रकार के मनुष्य भाविए- भावित, अभाविए- अभावित बताए गए हैं । कुछ मनुष्य ऐसे होते हैं , जो परिस्थिति से प्रभावित हो जाते है । कुछ मनुष्य ऐसे होते हैं , जो परिस्थिति से प्रभावित नहीं होते हैं । वह यदि अनुपात किया जाए तो सौ में से दस व्यक्ति ऐसे मिल सकते हैं, जिन पर परिस्थिति का कोई प्रभाव नहीं होता हैं । वे इतने ऊंचे पहुंच जातें हैं कि परिस्थिति उन्हें छू नहीं पाती , किंतु नब्बे प्रतिशत लोग परिस्थिति से प्रभावित होते हैं । वह कोई परिस्थिति आती हैं वे प्रभावित हो जाते हैं । हंसने की परिस्थिति आती हैं तो वे हंसने लग जातें हैं । वह रोने की परिस्थिति आती हैं तो रोने लग जाते हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

परीक्षा खत्म होने के बाद दोस्तों के साथ गया था, मां बोलीं- हत्या हुई है, जांच हो

नोएडा एमिटी यूनिवर्सिटी के छात्र की गड्ढे में डूबकर मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा में एमिटी यूनिवर्सिटी के 23 साल के छात्र हर्षित भट्ट की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, बुधवार शाम को परीक्षा खत्म होने के बाद हर्षित अपने तीन दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। इसी दौरान वह गड्ढे में उतर गया। वह गहराई में चला गया और डूबने लगा।

दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके।

इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। 20 मिनट बाद पुलिस गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची और हर्षित को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डीसीपी साद मियां खान ने बताया- हर्षित भट्ट गाजियाबाद के इंदिरानगर का रहने वाला था। एमिटी यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बीपीएड) की पढ़ाई कर रहा था। उसका छठा सेमेस्टर चल रहा था। उसके पिता ललित चंद्रभट भारतीय सेना में टेक्निकल विभाग में हैं। अभी लद्दाख में तैनात हैं। परिवार में एक भाई और एक बहन हैं। हर्षित की मां दीप माला ने कहा-मुझे लगता है कि मेरे बच्चे की हत्या हुई है। मैं मॉर्चरी गई थी। मुझे बच्चे को दिखाया गया। उसके पूरे शरीर पर काले निशान थे। पीठ पर V-आकार की चोट के निशान थे। मैं मांग करती हूं कि मामले की जांच हो। मेरे बेटे के साथ इन बच्चों ने जो भी किया है, मैं नहीं चाहती कि ये लोग जेल से छूटें। मेरा घर उजाड़ दिया।

गड्ढा चारों तरफ से कवर, फिर कैसे पहुंचे छात्र?

साइट (गड्ढा) को चारों तरफ से कवर किया गया है। ऐसे में सवाल ये उठता है कि छात्र अंदर कैसे पहुंचे? साइट पर निर्माण कंपनी के गार्ड तैनात हैं, जिनकी जिम्मेदारी सुरक्षा की है। इसके बावजूद युवकों का अंदर पहुंचना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

परीक्षा के बाद पिकनिक मनाने पहुंचे थे

डीसीपी ने बताया कि बुधवार को चारों छात्रों का एग्जाम था। परीक्षा के बाद वे खाली प्लॉट पिकनिक मनाने पहुंचे। वहां नहाने के लिए गड्ढे में उतर गए। पूछताछ में साथियों ने बताया कि वे पहले भी इस गड्ढे में नहा चुके थे, लेकिन इस बार हर्षित ज्यादा अंदर चला गया और डूबने लगा। डीसीपी ने बताया कि सूचना मिलने के करीब 20 मिनट के भीतर पुलिस और गोताखोर मौके पर पहुंच गए। SDRF और NDRF की टीम भी बुलाई गई। इसके बाद हर्षित को गड्ढे से निकाला गया। शुरुआती पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में ड्रॉनिंग यानी पानी में डूबने से मौत की पुष्टि हुई है। फेफड़ों में रेत और पानी भरा हुआ है। बिसरा सुरक्षित रखा गया है।

मां बोलीं- बेटा तैरना जानता था, गड्ढे में नहीं डूब सकता

हर्षित की मां ने कहा- बेटा तैरना जानता था। ऐसे में बेटा गड्ढे में डूब नहीं सकता। हर्षित बुधवार सुबह साढ़े 8 बजे घर से निकला था। उसका 10 बजे से पेपर था। इंदिरापुरम से कॉलेज पहुंचने में 1-2 घंटे लगते हैं। उसने कहा था- मैं 4 बजे तक घर आ जाऊंगा। कॉलेज जाने के बाद मैंने उसको फोन किया। कहा- घर की मोटर खराब हो गई है। मैंने उससे कहा था कि सोसाइटी के ऑफिस में फोन कर लेना, जिससे इलेक्ट्रिशियन आकर चेक कर लेगा। शाम को पता चला कि बेटे की मौत हो गई है।

पांच घंटे तालाब में छिपा रहा 400 चोरियों का मास्टरमाइंड

कमल की डंठल से लेता रहा सांस

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौर । बिजनौर के रहने वाले शातिर चोर और मध्य प्रदेश की जबलपुर पुलिस के बीच मंगलवार शाम फिल्मी ड्रामा देखने को मिला। पुलिस को चकमा देने के लिए आरोपी एक रेलवे स्टेशन के पास तालाब में कूद गया। वह करीब 5 घंटे तक पानी के अंदर छिपा रहा।

चौंकाने वाली बात यह है कि वह सांस लेने के लिए कमल की डंठल (कमल-नाल) का सहारा लेता रहा। आखिरकार गोताखोरों की मदद से उसे दबोच लिया गया।

घटना रीवा-इतवारी एक्सप्रेस ट्रेन की है। एसी कोच में एक महिला का पर्स चोरी करने की कोशिश के दौरान आरोपी आरपीएफ (RPF) की नजर में आ गया। जैसे ही ट्रेन सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन के पास धीमी हुई, आरोपी कूदकर भागने लगा। आरपीएफ जवानों ने पीछा किया तो वह खितौला के एक गहरे और काई से भरे तालाब में जा कूदा। रात के अंधेरे और घनी शैवाल के कारण वह पुलिस की आंखों से ओझल हो गया। आरोपी बिजनौर में निर्दलीय पार्षद भी रह चुका है। खितौला थाना पुलिस और गोताखोरों की टीम ने जब रेस्क्यू शुरू किया तो पाया कि आरोपी पानी की सतह पर नहीं है। शातिर चोर ने खुद को पूरी तरह पानी में डुबो लिया था। केवल एक पाइपनुमा कमल-नाल के जरिए बाहर से ऑक्सीजन ले रहा था।

5 घंटे की मशक्कत के बाद आरोपी को बाहर निकाला।

चड्ढा को हटाने से आप को नुकसान : अविमुक्तेश्वरानंद

पार्टी में उनके बढ़ते कद से लीडर को दिक्कत होती है

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहाली । आम आदमी पार्टी (AAP) और उसके राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के विवाद में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की भी एंट्री हो गई है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में राघव को देश का एसेट बताया। शंकराचार्य ने कहा कि राघव के मामले में आम आदमी पार्टी अपना नुकसान कर रही है।

शंकराचार्य ने कहा- राजनीतिक गणित अलग होता है। कई लोग तो कह रहे हैं कि उनका राजनीतिक कद बढ़ने लगा था, जो आगे चलकर लीडर के लिए दिक्कत पैदा करता। राघव का कद सिर्फ पार्टी नहीं, बल्कि खुद के चलते बड़ा हुआ है। AAP ने राघव को कुछ दिन पहले ही राज्यसभा के उपनेता पद से

राघव चड्ढा और परिणीति चोपड़ा की शादी के बाद शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज उनके घर पहुंचे थे। - फाइल फोटो

हटाया है। राघव चड्ढा ने पॉडकास्ट के कुछ अंश बुधवार को खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किए। इसमें शंकराचार्य के लिए लिखा- आपके श्रीचरणों में सादर प्रणाम। शंकराचार्य ने कहा- राघव चड्ढा के जब बेटा हुआ तो उनका फोन हमारे पास आशीर्वाद के लिए आया था। हमने उन्हें कहा था- बहुत बधाई। उन्होंने संसद में आम आदमी के लिए जो आवाज उठाई, देश की जनता ने उसकी प्रशंसा की। अब उनकी पार्टी कह रही है कि जो मुद्दे थे, उन्हें हमारे ढंग से उठाना चाहिए था। आपने अपने ढंग से आम लोगों के मुद्दे उठा दिए, इसलिए हम आपको यहां पर अपना प्रवक्ता नहीं रखना चाहते हैं।

गोरखपुर में 9वीं की छात्रा के साथ गैंगरेप

अलग-अलग होटलों में 10 लोगों ने की हैवानियत, 4 महीने पहले हुई थी लापता

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में 9वीं की छात्रा के साथ 10 लोगों ने रेप किया। एक नवंबर को सुबह 9 बजे छात्रा स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वह नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने अपने स्तर पर ढूंढा। फिर 7 नवंबर को थाने में गुमशुदी दर्ज कराई।

पुलिस ने केस दर्ज करके जांच पड़ताल शुरू की। 23 मार्च को छात्रा को पुलिस ने बरामद कर लिया। पूछताछ में छात्रा ने बताया कि एक युवक के बहकावे में वो चली गई थी। इसके बाद उसके साथ कई होटलों में अलग-अलग दिन 10 लोगों ने रेप किया। पुलिस ने छात्रा का मेडिकल कराया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई।

परिजन लगातार पुलिस पर अपनी बेटी को ढूंढने का दबाव बनाते रहे। मार्च में पुलिस को छात्रा का लोकेशन मिला, जिसके बाद 23 मार्च को उसे ढूंढकर परिजनों के पास लाया गया। परिजनों के सामने ही छात्रा ने अपने साथ हुई घटना के बारे में विस्तार से बताया। उसके बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने छात्रा की कॉल डिटेल्स खंगाली, जिससे चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। जांच में पता चला कि उसे कई होटलों में ले जाया गया था।

रामगढ़ ताल चली गई छात्रा

तीनों छात्रा को सड़क पर छोड़कर चले गए। छात्रा घर न जाकर रामगढ़ताल चली गई। वहां काफी देर तक परेशानी हालत में बैठी रही। इसी दौरान उसकी मुलाकात के युवक से युवक से गई। युवक उसे बहला फुसलाकर अपने घर ले गया। करीब 1 महीने तक वह अपने घर पर छात्रा को रखा। इस दौरान उससे रेप करता रहा। उसके दो और दोस्तों ने भी रेप किया।

4 महीने पहले लापता हुई थी छात्रा

चौरीचौरा इलाके की रहने वाली 14 साल की छात्रा कक्षा 9 में पढ़ती है। छात्रा के पिता गुजरात में मजदूरी करते हैं। पुलिस के अनुसार, 1 नवंबर 2025 को छात्रा सुबह 9 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। रास्ते में उसका जाने वाला ऑटो चालक मनीष राजभर (उर्फ मोनू) मिल गया। उसने छात्रा को ऑटो में बैठाकर एक निर्माणाधीन मकान में ले गया। वहां पर उसने रेप किया। थोड़ी देर बाद वहां मोनू के दोस्त समीर उर्फ दिलशाद और किशन उर्फ बिट्टू आ गया। उन दोनों ने भी रेप किया। इधर, छात्रा के घर नहीं लौटने पर परिजन परेशान हो गए। उन्होंने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजन थाने पहुंचकर 7 नवंबर को शिकायत दर्ज कराई।

कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने छात्रा को भगाने के आरोपी एक युवक को पकड़ा। इसके बाद होटल संचालक सहित 10 लोगों को हिरासत में लिया। बुधवार को 4 आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। घटना चौरीचौरा थाना क्षेत्र की है।

आगरा में दिनदहाड़े मार्केट में चली गोलियां

आगरा। आगरा के कमाल खां क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर दिनदहाड़े गोलियां चल गईं। गोलियों की तड़त-ड़ाहट से इलाके में अफरातफरी मच गई। बदमाशों ने एक महिला पर जानलेवा हमला किया, लेकिन निशाना चूक जाने से वह बाल-बाल बच गईं। आरोपी उसके बेटे को मारने के इरादे से आए थे। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिससे बदमाशों की बेखौफी सामने आई है। कमाल खां क्षेत्र की रहने वाली जन्नत ने बताया- उनका बेटा टाइगर कैंट क्षेत्र में ऑटो चलाता है। करीब छह महीने पहले उसके एक परिचित का नरीपुरा, बारह बीघा निवासी कलुआ से विवाद हो गया था। उस समय उनके बेटे ने बीच-बचाव कराया था। इसी रंजिश को लेकर कलुआ ने अपने भाई राजा, कन्हैया, बेटे अमन और अन्य लोगों के साथ पहले सराय ख्वाजा क्षेत्र में बेटे के परिचितों पर हमला किया। इसके बाद आरोपी सीधे जन्नत के घर पहुंच गए। शोर सुनकर वह बाहर निकलीं तो कलुआ ने पिस्टल निकालकर उन पर फायर कर दिया।

गैस सिलेंडर वितरण में देरी से भड़के उपभोक्ता

सड़क पर सिलेंडर रखकर किया जाम

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। गुरुवार को सूरतगंज क्षेत्र के महादेवा–सूरतगंज मार्ग पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब रसोई गैस सिलेंडर के वितरण में हो रही देरी से नाराज उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। अमराई गांव भुंड के पास स्थित भारत गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली से क्षुब्ध सैकड़ों लोगों ने सड़क पर गैस सिलेंडर रखकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए मार्ग जाम कर दिया। बताया जा रहा है कि सुबह से ही बड़ी संख्या में उपभोक्ता गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी पर पहुंचे थे, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिल सका। इससे आक्रोशित लोगों ने एजेंसी के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी और विरोध स्वरूप सिलेंडरों को सड़क पर रखकर

महादेवा–सूरतगंज मार्ग को पूरी तरह बाधित कर दिया। प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं का आरोप था कि एजेंसी पर गैस उपलब्ध होने के बावजूद वितरण नहीं किया जा रहा है, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना था कि रोजमर्रा के कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सड़क जाम की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया, जिसके बाद धीरे-धीरे जाम समाप्त हुआ और यातायात सामान्य हो सका। इस संबंध में एजेंसी संचालक दीपक सिंह ने बताया कि गैस सभी उपभोक्ताओं को नियम अनुसार गैस सिलेंडर दी जा रही है। वर्तमान में गैस की लोडिंग उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण वितरण कार्य रोकना पड़ा। उन्होंने आश्वासन दिया कि जैसे ही गैस की आपूर्ति प्राप्त होगी, नियमों के अनुसार उपभोक्ताओं को सिलेंडर उपलब्ध कराना शुरू कर दिया जाएगा।

टूरिस्ट बस पलटी, 2 की मौत

पहिए के नीचे दबे यात्री चिल्लाए, महाराष्ट्र से 50 लोग काशी घूमने आए थे

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। गाजीपुर में एक टूरिस्ट बस पलटने से दो महिलाओं की मौत हो गई। बस डिवाइडर से टकराने के बाद तीन बार पलटी। फिर सीधी खड़ी हो गई। हादसे के दौरान 35 से ज्यादा लोग घायल हो गए। कई यात्री बस के नीचे दब गए। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। यात्रियों को बाहर निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।

हादसा गुरुवार सुबह करीब 11 बजे नंदगंज के नैसारे गांव के पास हुआ। बस वाराणसी से महाराष्ट्र जा रही थी, जिसमें 50 यात्री सवार थे। ये सभी महाराष्ट्र के बुलढाणा और जलगांव के रहने वाले हैं।

बस एक्सीडेंट देख दौड़ते हुए पहुंचे लोग

बस का एक्सीडेंट होते देख आसपास के लोग दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे। बस के अंदर फंसे लोगों को किसी तरह बाहर निकाला। इस दौरान दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। राहगीरों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को इलाज के लिए महर्षि विश्वामित्र स्वशासी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। दोनों मृतक महिलाओं का शव मेडिकल कॉलेज की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

नेपाल घूमने के बाद काशी लौटे थे यात्री

महाराष्ट्र से 50 टूरिस्ट वाराणसी आए थे। यहां दर्शन-पूजा करने के बाद सभी नेपाल घूमने चले गए। वाराणसी लौटने के बाद यात्रियों ने यूपी से महाराष्ट्र के लिए बस बुक की। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे बस जैसे ही गाजीपुर के नंदगंज के नैसारे गांव पहुंची तभी डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस तीन बार पलटने के बाद फिर से सीधी खड़ी हो गई। स्पीड में बस के टकराने से यात्री एक-दूसरे के ऊपर गिरे। घायल यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। सभी मदद के लिए जोर-जोर से चिल्लाने लगे।

खुलासा : वाराणसी में पत्नी ने एफआईआर दर्ज कराई, मुंबई के हिंदुजा अस्पताल ने जहर की पुष्टि की

सपा नेता को थैलियम जहर से मारने की कोशिश

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में सपा नेता को थैलियम जहर देकर मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। मुंबई के एक प्रसिद्ध अस्पताल की डॉक्टर ने सपा नेता के खून में थैलियम के अंश पाए जाने की पुष्टि की है। जांच रिपोर्ट आने के बाद सपा नेता की पत्नी ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

वाराणसी के कोतवाली थाने में बुधवार को खुशबू सिंह की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। सपा नेता संदीप सिंह (41) समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं। उनकी पत्नी के अनुसार, फरवरी 2025 में अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें मेदांता, गुरुग्राम में भर्ती कराया गया था। हालत में सुधार न होने पर उन्हें मैक्स अस्पताल दिल्ली में भर्ती किया

गया। वहां भी फायदा नहीं होने पर उन्हें एयर एंबुलेंस के जरिए मुंबई के पीडी आहूजा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने थैलियम जहर की पुष्टि की। वाराणसी के रहने वाले संदीप सिंह, समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय महासचिव रहे हैं। वह एसएसएस इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड और शिव एंटरप्राइजेज नाम की दो ट्रांसपोर्ट कंपनियों के संचालक भी हैं। ट्रांसपोर्ट कंपनियां कंस्ट्रक्शन वर्क से भी जुड़ी हुई हैं। कंपनी सड़क निर्माण के लिए डामर, गिट्टी आदि का ढुलाई का काम भी करवाती हैं। संदीप सिंह के परिवार में पिता घनश्याम सिंह, मां पूर्णिमा सिंह, पत्नी खुशबू सिंह, बेटी स्वप्निल और बेटा प्रहान हैं। पत्नी खुशबू सिंह ने बुधवार को पुलिस में की गई शिकायत में बताया कि एक परिचित शिव प्रसाद की तबीयत बिगड़ने के बाद 4 फरवरी 2025 से 11 फरवरी 2025 तक मेरे पति मेदांता अस्पताल गुरुग्राम में रहे।

एयरलिफ्ट कर हिंदुजा अस्पताल लाया गया

पत्नी खुशबू सिंह ने बताया- हम लोग काफी परेशान थे। डॉक्टर्स को भी बीमारी समझ में नहीं आ रही थी। स्थिति अधिक खराब होने के बाद एयर एंबुलेंस से पति को लेकर पीडी हिंदुआ हास्पिटल माहिम मुंबई लाया गया। यहां डॉक्टर्स ने जांच किया। डॉक्टर मेधा धामणे ने रिपोर्ट देखकर बताया कि पति के खून में थैलियम जहर मिला है। यह दुलर्भ जहर किसी को जान से मारने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, हिंदुजा में कुछ दिन इलाज चला। इसके बाद उनको डिस्चार्ज कर दिया गया। फिलहाल, संदीप लखनऊ स्थित अपने घर पर हैं। डॉक्टरों की निगरानी में उनका घर पर ही इलाज चल रहा है।

संदीप सिंह समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

कोतवाली थाना प्रभारी दयाशंकर सिंह ने बताया- खुशबू सिंह की तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 109(1) में हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है।

थैलियम को स्लो पॉइजन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

जीएसटी इंस्पेक्टर के पद पर सुभाष मिश्रा का हुआ चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज में कार्यरत कर्मचारी उमेश मिश्रा के भतीजे सुभाष मिश्रा का चयन जीएसटी इंस्पेक्टर (वस्तु एवं सेवा कर निरीक्षक) के पद पर हुआ है। इस सफलता की खबर मिलते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई, वहीं क्षेत्र के लोगों ने भी इसे गौरव का क्षण बताया।

परिजनों के अनुसार, प्रभु की असीम कृपा और सभी के आशीर्वाद से सुभाष मिश्रा ने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस सफलता पर परिजन, रिश्तेदार और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सुभाष मिश्रा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद प्रतिष्ठित जवाहर नवोदय विद्यालय

से शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने भोपाल से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। उच्च शिक्षा के बाद उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दिल्ली का रुख किया, जहां कड़ी मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। अपनी सफलता का श्रेय सुभाष मिश्रा ने अपने माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सदस्यों को दिया है, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से उन्होंने यह सफलता प्राप्त की। उन्होंने बताया कि निरंतर प्रयास, सकारात्मक सोच और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है। बताया जाता है कि सुभाष मिश्रा के परिवार में शिक्षा का विशेष महत्व रहा है। उनकी बहन भी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं, जिससे परिवार में सेवा और समर्पण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। सुभाष मिश्रा की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और युवा वर्ग को उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सफलता क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए भी एक मिसाल है, जो कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं।

पति के पास जाने की जिद कर रही थी

गर्लफ्रेंड और उसके तीन साल के बेटे को मार डाला

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में गर्लफ्रेंड और उसके 3 साल के बेटे की हत्या के आरोपी को पुलिस ने बुधवार रात एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पैर में गोली लगी है। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। पुलिस के मुताबिक, उसने दोनों की हत्या की बात कबूल कर ली है। 40 साल के आरोपी चतुर्भुज पटेल उर्फ दीपक ने 2 अप्रैल की रात लिव-इन में रहने वाली नीलू देवी (30) और उसके बेटे कृष्णा को कुल्हाड़ी से काट डाला था। पुलिस के मुताबिक, नीलू अपने पति के पास गुरुग्राम में जाने की जिद कर रही थी। इसी वजह से उसने वारदात को अंजाम दिया।

नीलू और कृष्णा, मृतक

आरोपी ने 2 दिन शवों को घर में रखा। 4 अप्रैल की रात मौका पाकर महिला के शव को घर से 600 मीटर दूर सड़क किनारे फेंक दिया, जबकि बच्चे के शव थोड़ी दूर खेत में भूसे के ढेर में छिपा दिया। अगले दिन सुबह यानी 5 अप्रैल को महिला की लाश मिली, लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाई।

झांसी में गोली मारकर पुलिस ने पकड़ा

आरोपी के पैर में पुलिस ने गोली मारी। पुलिसवाले उसे कंधे पर उठाकर गाड़ी तक ले गए। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती करवाया।

झगड़ा होने पर सिर में मारी कुल्हाड़ी

पुलिस के मुताबिक- दीपक गुस्सैल और सनकी स्वभाव का है। नीलू अपने पति के पास जाना चाहती थी, लेकिन दीपक उसे मना कर रहा था। 2 अप्रैल की रात को नीलू ने कहा कि सुबह वह पति के पास चली जाएगी। जिद करने पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। विवाद बढ़ने पर दीपक ने कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ नीलू के सिर पर कई वार कर डाले।

शोर सुनकर कृष्णा जागकर रोने लगा। तब कुल्हाड़ी मारकर कृष्णा को भी मौत के घाट उतार दिया। अपने कमरे में ही दोनों के शव को रखे रहा। 4 अप्रैल रात को दोनों शवों को बाइक में बांधकर गांव के बाहर ले गया। सड़क किनारे नीलू का शव फेंक दिया, जबकि बच्चे के शव को खेत में भूसे के ढेर में छिपा दिया।

दोस्त के जरिए हुई थी जान पहचान

पुलिस के मुताबिक, आरोपी दीपक लहचूरा के बरौटा गांव का रहने वाला है। वह झांसी में रहकर ब्लिंकिट में काम करता था। उसका भाई संजीव ग्राम प्रधान रह चुका है। दीपक की पहली पत्नी नेहा की मौत हो गई थी। 2015 में उसने टहरौली गांव की रहने वाली हेमलता से शादी कर ली। हेमलता से उसे एक बेटा है। शादी के कुछ समय बाद दोनों में विवाद होने लगा। हेमलता उसे छोड़कर दिल्ली जाकर रहने लगी। दीपक यहां अकेले रहता था। गांव का एक युवक गुरुग्राम में गार्ड है। दीपक भी उसके यहां गुरुग्राम में आता जाता था।

नीलू का घर आना जाना हो गया

मूलरूप से गुजरात की रहने वाली नीलू शादीशुदा थी। उसका 3 साल का बेटा कृष्णा था। नीलू को पति गुजरात में नौकरी करता था, पति ने नीलू को छोड़ दिया था। इस वजह से नीलू और दीपक के बीच 6 महीने पहले दोस्ती हुई। कुछ समय बाद दोनों में अफेयर शुरू हो गया।

5 महीने पहले दीपक गुरुग्राम में जाकर नीलू के साथ रहने लगा था। नीलू भी दीपक के गांव वाले घर पर आने जाने लगी। दीपक अपनी कमाई उसी पर खर्च करता था। दीपक 1 अप्रैल को नीलू और उसके बेटे कृष्णा को लेकर गांव आ गया।

सीजीएल परीक्षा में अभिषेक कुमार का चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

ऑल इंडिया मेरिट में 7282वीं रैंक हासिल, क्षेत्र में खुशी की लहर

अलीगढ़। जनपद की इगलास तहसील क्षेत्र के गांव दौलताबाद निवासी अभिषेक कुमार ने कर्मचारी चयन आयोग (SSC) की Combined Graduate Level (CGL) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। चयन के बाद उन्हें वित्त मंत्रालय में सुपरिंटेंडेंट (Superintendent) के पद पर नियुक्ति मिली है।

अभिषेक कुमार ने ऑल इंडिया मेरिट सूची में 7282वां स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव और आसपास के क्षेत्रों में खुशी का माहौल है, वहीं युवाओं को भी उनसे प्रेरणा मिल रही है।

अभिषेक एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता विनोद कुमार भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे चुके हैं, जबकि माता ममता देवी गृहिणी हैं। उनके दादा ज्वाला प्रसाद और दादी कुसुम देवी ने भी उनके संस्कारों और परवरिश में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। परिवार के सहयोग और प्रेरणा ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा एलबीके पब्लिक स्कूल, इगलास से पूरी की। इसके बाद डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से स्नातक (बीए) की डिग्री हासिल की। कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर उन्होंने यह सफलता अर्जित की।

फास्ट न्यूज

मुरादाबाद में मरीज की मौत पर बवाल

मुरादाबाद । मुरादाबाद के सिविल लाइंस इलाके में एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ये अस्पताल भाजपा नेता ओमकार सिंह के छोटे भाई डॉ. सुनील कुमार का है। जिसमें डायग्नोस्टिक सेंटर भी संचालित होता है। महिला मरीज के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही बरतने और महिला मरीज की मौत के बाद उसके शव को गुपचुप ढंग से एंबुलेंस के जरिए अस्पताल से हटाने की कोशिश का आरोप लगाया है।

रिटायर्ड दरोगा के बेटे ने युवक को कार से उड़ाया

कानपुर । कानपुर में रिटायर्ड दरोगा के बेटे ने नशे की हालत में फास्ट फूड दुकानदार को कार से टक्कर मार दी। उसे बोनट पर फंसाकर करीब 50 मीटर तक घसीटता ले गया। घटना 4 अप्रैल को चकेरी के सजारी की है, इसका वीडियो सामने आया है। भाई मनीष पांडेय ने बताया कि कार ड्राइवर पहले गाली-गलौज कर रहा था।

विरोध करने पर उसने कार मोड़कर वहां मौजूद लोगों को कुचलने की कोशिश की। इसी दौरान उनके भाई और दुकानदार ध्रुमित पांडेय सामने आ गए। कार की बोनट पर फंसाकर उसे घसीटता ले गया। हादसे में ध्रुमित का पैर टूट गया और शरीर पर गंभीर चोटें आईं।

गद्दे-बाथरूम में 17 करोड़ छिपाने वाले अफसर पर एफआईआर

कानपुर। कानपुर में भ्रष्टाचार के बड़े मामले का खुलासा हुआ है। सेल टैक्स विभाग के रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर केशव लाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने का केस दर्ज किया गया है। FIR 9 साल बाद 8 अप्रैल को कानपुर विजलेंस टीम ने दर्ज कराई। 9 साल पहले साल-2017 में केशव कानपुर में तैनात थे। उस दौरान उनके नोएडा स्थित घर में आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा था।

ओलावृष्टि से तबाही : दौलतपुर में 80-85% गेहूं की फसल बर्बाद

प्रशासन पर अनदेखी का लगाया आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

बल्देव (मथुरा)। क्षेत्र के गांव दौलतपुर में हाल ही में हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। खेतों में खड़ी गेहूं की फसल का लगभग 80 से 85 प्रतिशत हिस्सा नष्ट हो गया है, जबकि अन्य रबी फसलें भी पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। इस प्राकृतिक आपदा से किसानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

किसानों का कहना है कि महीनों की मेहनत कुछ ही पलों में तबाह हो गई। उन्होंने बताया कि इस नुकसान से उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ा है और अब परिवार का पालन-पोषण करना भी मुश्किल हो सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नुकसान का आकलन करने नहीं पहुंचे हैं, जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं, प्रभावित किसानों ने सरकार से शीघ्र सर्वे कराकर उचित मुआवजा और राहत प्रदान करने की मांग की है, ताकि वे इस कठिन परिस्थिति से उबर सकें।

इस दौरान ग्राम प्रधान जनेश देवी, सिंधी भैया, अजय उर्फ भुल्ला, देशवार, प्रवीण चौधरी, पिल्लू सिंह, जयपाल सिंह, रामखिलोना सिंह, अजीत देशवार सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रयागराज में 4 नकाबपोश बाइक से आए, बीच-बाजार गोली मारी, अतीक का शूटर नामजद

माफिया अशरफ के करीबी प्रॉपर्टी डीलर की हुई हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में माफिया अशरफ के करीबी प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान (47) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इरफान घर के पास ही चाय की दुकान पर बैठे थे, तभी 2 बाइक से 4 हमलावर आए। सभी ने गमछे से मुंह ढक रखे थे। इरफान के नजदीक ही हमलावरों ने बाइक रोकी। 3 बाइक पर बैठे रहे, जबकि एक हमलावर बाइक से उतर गया। वह इरफान के करीब पहुंचा। पिस्टल निकाली और सीने पर सटाकर गोली मार दी।

इरफान खून से लथपथ होकर गिर गए। हमलावरों ने पिस्टल लहराई और बाइक स्टार्ट करके भाग गए। बुधवार शाम 6.30 बजे करेली इलाके में बिस्मिल्ला चौराहे पर बीच-बाजार हुई इस वारदात के बाद हड़कंप मच गया। जहां वारदात हुई, वहां से 250 मीटर दूर ऐनुद्दीनपुर में इरफान का घर था। आसपास के लोगों ने तुरंत परिवार को सूचना दी। पत्नी, बेटे रोते-बिलखते पहुंचे। जख्मी इरफान को एसआरएन अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मो. इरफान माफिया अतीक के भाई अशरफ का करीबी रहा है। करीब 12 साल पहले वह अशरफ की गाड़ी भी चलाता था। परिवार ने हत्या का आरोप आसिफ दुर्रानी (45) और उसके भाई पर लगाया है।

मोहम्मद इरफान, मृतक

मोहम्मद इरफान की हत्या के लिए 2 बाइक पर 4 नकाबपोश बदमाश आए थे। एक ने गोली मारी।

मोहम्मद इरफान की हत्या के मामले में पुलिस आरोपियों तक पहुंचने के लिए देर रात तक कैमरों को खंगालती रही। एक फुटेज में आरोपी दिखे भी, लेकिन उनकी स्पष्ट पहचान नहीं हो सकी है। बदमाशों की पहचान के लिए पुलिस ने आसपास के 50 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले हैं, लेकिन इनमें उनका चेहरा साफ नहीं है।

अतीक का शूटर रहा है दुर्रानी

आसिफ दुर्रानी के खिलाफ धूमनगंज थाने में 17 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। माफिया अतीक अहमद के साथ कई मामलों में नामजद रहा है। 2020 में अवैध स्लॉटर हाउस संचालन का मामला सामने आया था। 2021 में प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा उसके आलीशान मकान पर बुलडोजर कार्रवाई की गई थी। गवाहों को धमकाने जैसे गंभीर आरोप भी दर्ज हैं। दुर्रानी के खिलाफ तीन बार गैंगस्टर की कार्रवाई भी हो चुकी है। करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह का कहना है- आसिफ के पकड़े जाने के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा।

कहा- हे भगवान, क्या करें, हरदोई में ओले की चादर बिछी, 44 जिलों में अलर्ट

बर्बाद फसल देखकर फूट फूटकर रोया किसान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में आंधी-बारिश और ओले का सिलसिला थम नहीं रहा। मौसम विभाग ने गुरुवार को भी 44 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60 किमी की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। लखनऊ-वाराणसी में मौसम साफ है, ठंडी हवाएं चल रही हैं।

मथुरा में सुबह ग्रामीण इलाकों में हल्का कोहरा देखने को मिला। आगरा समेत पश्चिम के 10 जिलों में बादल छाए हैं। वहीं, पूर्वांचल के जिलों में हल्की धूप निकली हुई है। हरदोई में बारिश से बर्बाद फसल देखकर किसान सतिराम फूट-फूटकर रोने लगे। भीगी फसलों को दिखाते हुए उन्होंने कहा- हे भगवान, अब क्या करें। बुधवार देर शाम बरेली-मेरठ समेत 6 शहरों में ओले गिरे। सहारनपुर और हरदोई में इतने ओले गिरे कि सड़कों और खेतों पर सफेद चादर जैसी बिछ गई। 24 घंटे में प्रदेश के 30 जिलों में बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में औसतन 2.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो कि सामान्य (0%) से करीब 200% अधिक है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 38.6 डिग्री बांदा में दर्ज किया गया।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-गुरुवार को मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म हो जाएगा, लेकिन 11 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा।

तस्वीर वाराणसी की है। किसानों ने बारिश से गेहूं की फसल को बचाने के लिए तिरपाल से ढक दिया है।

योगी बोले- अफसर फील्ड में उतरें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

किसानों की फसलों को हुए नुकसान को लेकर सीएम योगी ने अधिकारियों को फील्ड में उतरने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा- अफसर 24 घंटे के भीतर नुकसान का सर्वे करें और प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए। किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों को हर संभव मदद देना सरकार की प्राथमिकता है।

बीआरसी पर संगोष्ठी आयोजित शत-प्रतिशत नामांकन पर जोर

विकास खंड कार्यालय पर खंड विकास अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

चौमुहां। विकास खंड कार्यालय चौमुहां परिसर में 'स्कूल चलो अभियान' के अंतर्गत एक दिवसीय संगोष्ठी एवं बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना और परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी अभिमन्यु सेठ एवं खंड शिक्षा अधिकारी कैलाश शुक्ला ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। बैठक को संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी अभिमन्यु सेठ ने कहा कि शिक्षा ही समाज की उन्नति का एकमात्र मार्ग है। उन्होंने ग्राम प्रधानों और शिक्षकों से आह्वान किया कि वे गांव के हर घर तक पहुंचें और यह सुनिश्चित करें कि 6 से 14 वर्ष का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

खंड शिक्षा अधिकारी कैलाश शुक्ला ने विभागीय योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा सरकार द्वारा बच्चों को निःशुल्क ड्रेस, पुस्तकें, जूते-मोजे और मिड-डे मील जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। शिक्षक घर-घर जाकर अभिभावकों को जागरूक करें और स्कूल छोड़ चुके बच्चों को दोबारा मुख्यधारा से जोड़ें। इस मौके पर एडीओ पंचायत नवेश कुमार सुमन, एडीओ आईएसबी राकेश कर्दम,सचिव चौधरी ब्रजमोहन सिंह, योगेश कुमार,प्रशांत कुमार ,एआरपी जितेन्द्र कुमार,शैलेन्द्र कुमार क.ऑ. ओमशरन, मुनेश, प्रहलाद सिंह, राकेश कुमार, सुधीर कुमार, रवि कुमार सहित ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य उपस्थित रहे। संगोष्ठी के अंत में सभी उपस्थित लोगों को शिक्षा के प्रचार-प्रसार की शपथ दिलाई गई।

पृष्ठ 01 का शेष...

असम, केरल, पुडुचेरी ...

पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम CM रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे।

केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला।

असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई।

टीएमसी राज में मां...

4 मई के बाद हर गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा। बंगाल में अब TMC का भय नहीं, भाजपा का भरोसा चलेगा। बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे।

पहली- भय के माहौल में आज लोगों को बार-बार कानून से मदद मांगनी पड़ती है। लेकिन हमारी सरकार में आपको न्याय मिलेगा। दूसरी- सरकारी सिस्टम जनता के लिए जवाबदेह होगा। तीसरी- घोटाले, दुष्कर्म हर क्राइम की फाइल खुलेगी। चौथी- जिसने भी करप्शन किया है, उसकी जगह जेल में होगी। मंत्री हो या संत्री, जनता का पैसा नहीं खाने देंगे।पांचवी- जो शरणार्थी हैं, उन्हें सम्मान मिलेगा, जो घुसपैठी हैं, उन्हें खदेड़ा जाएगा। छठवीं- सभी सरकारी कर्मचारियों को इस निर्मम सरकार ने भयभीत करके रखा है। मोदी सरकार आपके साथ खड़ी है। सरकार बनते ही यहां 7वां पे कमीशन लागू करवाएंगे। ये हमारी गारंटी है। इसके साथ ही मैं आपको एक और गारंटी भी देता हूं कि अब तक जिन्होंने प. बंगाल को लूटा है, उन सबका हिसाब होगा।

दावा : हुमायूं कबीर...

अगर उनकी 60-70 सीटें आ गईं तो वे डिप्टी सीएम भी बन सकते हैं। हालांकि, तमसा संकेत इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता। TMC के कुणाल घोष ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस वीडियो का जिक्र कर कहा कि हुमायूं सुवेंदु अधिकारी, प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिसवा सरमा के करीबी हैं। घोष ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) चुप क्यों है। उसे इस मामले की जांच करनी चाहिए। बीजेपी ने हुमायूं के जरिए मतुआ, हिंदुओं और मुसलमानों को बेवकूफ बनाने के लिए 'B टीम' और 'C टीम' बनाई है। बंगाल चुनाव में हुमायूं की पार्टी विधानसभा की 294 सीटों में से 118 पर चुनाव लड़ रही है। उनका गठबंधन असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM के साथ है। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को दो फेज में वोटिंग होगी। नतीजे 4 मई को आएंगे।

गुरुग्राम में हुआ...

कुछ दिन पहले होंडा कंपनी में सैलरी बढ़ाने को लेकर स्ट्राइक हुई थी। इसके बाद 3 दिन से आधा दर्जन से अधिक बड़ी कंपनियों तक इसकीआंच पहुंच गई। हालांकि होंडा कंपनी के समझौते के बाद काम पर लौट गए। सत्यम, मुंजाल शोवा, रिको और अन्य कंपनियों के कर्मचारी 3 दिन से काम पर लौटने को तैयार नहीं हुए। पुलिस प्रशासन ने कहा कि यहां धारा 163 लागू करते हुए धरना-प्रदर्शन पर रोक लगा दी थी। मगर, प्रदर्शनकारी नहीं माने। देर शाम इस मामले में पुलिस ने तोड़फोड़ करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान करने पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। फिलहाल स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण है। पुलिस ने कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया तो नोकझोंक हुई। धक्का-मुक्की कर पुलिसकर्मियों का मोबाइल छीनने का प्रयास किया गया। कर्मचारियों का कहना था कि यह उनकी हक की लड़ाई है, जो प्रबंधन और उनके बीच का मामला है। पुलिस को बीच में नहीं आना चाहिए और न ही प्रबंधन की तरफदारी करनी चाहिए।

ईरान के पास तैनात...

ट्रंप ने इस पूरे मामले में NATO सहयोगियों पर साफ तौर पर नाराजगी जताई और कहा कि जब अमेरिका को उनकी जरूरत पड़ी, तो वे वहां नहीं थे।

इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि US सेना अपनी अगली जीत का इंतजार कर रही है। गुरुवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हमारी सेना तैयारी अपनी अगली जीत का इंतजार कर रही है।' ट्रंप ने इस पोस्ट के जरिए ऐलान किया कि US के सभी जहाज, विमान और सैन्यकर्मी अपने गोला-बारूद और हथियारों के साथ ईरान में तब तक रहेंगे जब तक कि असली समझौता पूरी तरह से लागू नहीं हो जाता।

उन्होंनेलिखा, 'US के सभी जहाज, विमान और सैन्यकर्मी, गोला-बारूद और हथियार के साथ ईरान और उसके आस-पास तब तक रहेंगे, जब तक कि हुआ असली समझौता पूरी तरह से लागू नहीं हो जाता। अगर किसी भी वजह से ऐसा नहीं होता है तो गोलीबारी शुरू हो जाएगी।'

मंदिरों में एंट्री रोकने ...

बल्कि जितने ज्यादा लोग अलग-अलग मंदिरों और मठों में जाएंगे, उतना ही धर्म मजबूत बनेगा।

उधर केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट वैद्यनाथन ने कहा कि इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हमारे सामने हैं, जब धर्म से जुड़े विवाद संवेद-नशील होते हैं। वहां अदालतें हस्तक्षेप नहीं करतीं हैं।

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने गुरुवार को धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों में लगातार तीसरे दिन सुनवाई की। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है।

मंदिर खोलने का ...

यह प्रावधान छुआछूत के जाति-आधा-रित बायकॉट का जवाब देने के लिए लाया गया था। इसे इसी सीमित संदर्भ में समझा जाना चाहिए। यह तथ्य कि संविधान निर्माताओं ने विशेष रूप से राज्यों को ऐसे कानून बनाने का अधिकार दिया, जिनके तहत हिंदू धार्मिक संस्थाओं को हिंदुओं के सभी वर्गों और समुदायों के लिए खोल दिया गया, यह संवैधानिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है।

वैद्यनाथन बोले...

तब उन्होंने ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी का ही सहारा लिया, जो कि मुख्य रूप से अब्राहमिक धर्मों के संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक मानी जाती है।

'पोलिंग बूथ की ...

सूत्रों के अनुसार, स्थिति तब और बिगड़ गई जब CEC ज्ञानेश कुमारने उस अधिकारी से घर वापस चले जाने को कह दिया। सूत्रों ने बताया कि अनुराग यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि आप हमारे साथ ऐसा बर्ताव नहीं कर सकते। हमने इस सेवा में अपने 25 साल दिए हैं। आप इस तरह से बात नहीं कर सकते। अनुराग यादव उत्तर प्रदेश सरकार में प्रमुख सचिव रैंक के अधिकारी हैं। सूत्रों ने बताया कि इस तीखी बहस के बाद बैठक में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया, जिसके बाद अन्य मुद्दों पर चर्चा फिर से शुरू हुई। चुनाव आयुक्त ने अनुराग यादव को तत्काल प्रभाव से सामान्य पर्यवेक्षक के पद से हटा दिया। हालांकि, चुनाव आयुक्त दफ्तर के सूत्रों ने कहा कि अनुराग यादव को उनके 'विद्रोही रवैये' के कारण नहीं, बल्कि पेशेवर अक्षमता के कारण पद से हटाया गया है। जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यादव से उनके निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्रों की संख्या के बारे में पूछा, तो वह घबराए हुए दिखे और जवाब देने से पहले उन्होंने कई मिनट का समय लिया और इसके बाद बताया कि कूच बिहार दक्षिण में 125 मतदान केंद्र हैं। बैठक के दौरान, अनुराग यादव से उनके निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्रों की संख्या से जुड़े कुछ बुनियादी सवाल पूछे गए थे, लेकिन वे सटीक जानकारी देने में विफल रहे।

दिल्ली के खिलाफ स्लो ओवर रेट के कारण मिली सजा, जीटी ने डीसी को 1 रन से हराया

शुभमन गिल पर 12 लाख का जुर्माना

कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर IPL 2026 में स्लो ओवर-रेट के कारण 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले के बाद की गई।

IPL की ओर से जारी मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, गुजरात टाइटंस ने मैच के दौरान निर्धारित समय में अपने ओवर पूरे नहीं किए। यह इस सीजन में टीम की पहली गलती थी, इसलिए IPL के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत गिल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। IPL में हर टीम को तय समय के अंदर अपने 20 ओवर पूरे करने होते हैं। अगर टीम ऐसा नहीं कर पाती, तो उसे स्लो ओवर-रेट माना जाता है और सजा दी जाती है।

अगर टीम सीजन में पहली बार स्लो ओवर-रेट की दोषी पाई जाती है, तो कप्तान पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाता है।

दूसरी बार करती है, तो कप्तान पर 24 लाख रुपए जुर्माना और बाकी खिलाड़ियों पर भी मैच फीस का कुछ प्रतिशत जुर्माना लगता है। तीसरी बार करने पर कप्तान पर भारी जुर्माना और एक मैच का बैन भी लग सकता है।

गुजरात ने दिल्ली को 1 रन से हराया

इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने रोमांचक जीत दर्ज करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 210 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली की टीम 209/8 रन ही बना सकी।

> **एक पारी को आमतौर पर करीब 90 मिनट में पूरा करना होता है। बीच में टाइम-आउट और अन्य ब्रेक को छोड़कर ओवर की गति मॉनिटर की जाती है और मैच रेफरी यह देखते हैं कि टीम निर्धारित समय से पीछे तो नहीं चल रही।**

गुजरात टाइटंस का सामना बुधवार को दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स से हुआ।

गुजरात का अगला मैच लखनऊ से

गुजरात टाइटंस की इस सीजन में यह पहली जीत रही। अब टीम का अगला मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से लखनऊ में रविवार को होगा। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेन्नई में खेलेगी।

‘कोहली जैसा फिनिश क्यों नहीं करते’

रिपोर्टर के सवाल पर भड़के बाबर आजम

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में पेशावर जाल्मी टीम के कप्तान बाबर आजम ने हैदराबाद किंग्समैन के खिलाफ 37 गेंद पर 43 रन की पारी खेली। 146 रन का पीछा करते हुए बाबर आजम के बल्ले से टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन निकले। जिस तरह से उन्होंने शुरुआत की थी, वो उसे वो एक बड़ी पारी में नहीं तब्दील कर पाए। हालांकि, मैच पेशावर जाल्मी की ही टीम ने 4 विकेट से जीता, लेकिन मैच के बाद एक रिपोर्टर ने बाबर आजम से ये सवाल किया कि वह क्यों विराट कोहली की तरह मैच फिनिश नहीं कर पाते। ये सवाल बाबर को पसंद नहीं आया और फिर उन्होंने जो जवाब दिया, उसने रिपोर्टर की बोलती बंद कर दी।

दरअसल, पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक रिपोर्टर ने बाबर आजम की तुलना विराट कोहली से की। खासकर उनकी मैच फिनिशिंग क्षमता पर उन्होंने सवाल उठाए। रिपोर्टर ने पूछा कि विराट कोहली भी वहीं शॉट खेलते हैं और वो मैच फिनिश करते हैं, लेकिन आप इससे चूक जाते हैं। लोग आपकी उनसे तुलना करते हैं, तो तुलना पर आपकी क्या राय है?

रिपोर्टर के सवाल पर बाबर ने कहा, खत्म कर दें आप, जिस तरह से आप सवाल कर रहे हैं आप छोड़ दीजिए। मैंने फिनिश बहुत मैच किए हैं, आपको लगता मैंने फिनिश नहीं किए, लेकिन मैंने बहुत किए।

गावस्कर का सपोर्ट तो आर अश्विन के मुताबिक पागलपन

मिलर के 1 रन को लेकर क्रिकेट एक्सपर्ट्स की अलग-अलग राय

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 के 14वें मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को महज एक रन से हराकर सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की। बुधवार रात खेले गए इस मैच में दिल्ली की हार से ज्यादा चर्चा डेविड मिलर के उस एक फैसले की हो रही है, जिसने मैच का रुख पलट दिया।

जहां आखिर तक मिलर दिल्ली के हीरो बनते-बनते विलेन बन गए। आखिरी दो गेंदों पर जब दिल्ली को जीत के लिए सिर्फ 2 रनों की दरकार थी तब क्रीज पर जमे हुए मिलर ने सिंगल न लेने का जोखिम भरा फैसला किया जिससे दिल्ली का दिल टूट गया। उनके इस फैसले की जहां हर कोई आलोचना कर रहा है, तो इस बीच पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर उनके सपोर्ट में उतरे। वहीं, दूसरी ओर पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने उनके फैसले को पागलपन तक कह दिया। दरअसल, स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत करते हुए सुनील गावस्कर ने कहा, हां वह खुद को विनिंग रन मारने के लिए सपोर्ट कर रहा था, लेकिन जिस तरह से कुलदीप यादव ने पहली गेंद पर सिंगल के लिए गेंद को आगे बढ़ाया, उसे देखकर शायद उसे कुलदीप को स्ट्राइक देनी चाहिए थी। उन्होंने आगे कहा, उसे स्ट्राइक देनी चाहिए थी। ये सब घटना के बाद समझदारी भरा कदम है, लेकिन सच तो ये है कि जिस तरह से वो पिछले ओवर और उस ओवर में हिट कर रहा था, उसे पूरा यकीन था कि वह कर सकता है, बस इतनी सी बात है। तो आप इसके लिए उसे दोषी नहीं बना सकते हैं।

आईपीएल के नए नियम में बाउंड्री के बाहर मूवमेंट पर रोक, सिर्फ 5 एक्स्ट्रा प्लेयर्स ही रहेंगे

मैदान पर सिर्फ 16 खिलाड़ियों को एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 के दौरान BCCI ने नया नियम लागू किया है। इसके मुताबिक बेंच पर बैठे खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकेंगे। टीम शीट में शामिल 16 खिलाड़ियों के अलावा किसी को मैदान में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। ड्रिंक्स, बैट या मैसेज देने के लिए सिर्फ वही खिलाड़ी मैदान में जा सकेंगे जो इन 16 में शामिल हैं। हाल ही में यह निर्देश टीम मैनेजमेंट को दिए गए हैं। वजह अभी स्पष्ट नहीं है। एक समय में सिर्फ पांच खिलाड़ी बाउंड्री लाइन के पास घूम सकते हैं। अब तक IPL 2026 के 74 में से 13 मैच खेले जा चुके हैं। 14वां मैच आज दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जा रहा है। यह जानकारी क्रिकबज की रिपोर्ट में सामने आई है। क्लॉज 24.1.4 में कहा गया है कि जो खिलाड़ी मैच में नहीं खेल रहे हैं और सब्स्टीट्यूट फील्डर नहीं हैं, उन्हें मैदान के आसपास रहते समय टीम का ट्रेनिंग बिब पहनना जरूरी है।

IPL 2026 में अब टीमों को 16 से ज्यादा प्लेयर्स को मैदान में लाने की अनुमति नहीं होगी।

सब्स्टीट्यूट प्लेयर जर्सी पहनने वालों की संख्या 5 से ज्यादा नहीं

यह तय किया गया है कि बिब्स (सब्स्टीट्यूट प्लेयर जर्सी) पहनकर मैदान के किनारे घूमने वाले खिलाड़ियों की संख्या पांच से ज्यादा नहीं होगी। ये खिलाड़ी ड्रिंक्स ले जाने या बाउंड्री से गेंद लौटाने का काम करते हैं।

यह नया नियम मैच प्लेइंग कंडीशंस (MPC) के क्लॉज 11.5.2 और 24.1.4 को सख्त करता है। क्लॉज 11.5.2 के अनुसार खिलाड़ियों को ड्रिंक्स देने की अनुमति सीमित समय और शर्तों के साथ होती है। इसमें 2023 में लाया गया इम्पैक्ट प्लेयर रूल, कप्तानों पर स्लो ओवर पेनल्टी, नो-बॉल और वाइड पर DRS शामिल हैं।

एक टीम में करीब 25 प्लेयर्स होते हैं

आमतौर पर IPL टीमों में करीब 25 खिलाड़ी होते हैं। हर मैच के लिए सिर्फ 16 खिलाड़ियों को टीम शीट में नाम दिया जाता है। नए नियम के मुताबिक बाकी खिलाड़ी डगआउट में रहेंगे। उन्हें बाउंड्री लाइन और LED बोर्ड के बीच आने-जाने की अनुमति नहीं होगी। टीम सूत्रों के मुताबिक, हमें हाल ही में निर्देश मिले हैं कि सभी सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकते। उन्हें ड्रिंक्स ले जाने की अनुमति नहीं है।

मनोरंजन

धुरंधर 2 की कमाई से दुनिया में मचा कोहराम

फिल्म टॉप 10 हाइएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों में शुमार

नई दिल्ली। आदित्य धर निर्देशित धुरंधरः द रिवेंज यानी धुरंधर 2 (Dhurandhar 2) इस वक्त कमाई से सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में भी धमाल मचा रही है। हॉलीवुड फिल्मों को पछाड़ धुरंधर 2 एक मात्र भारतीय फिल्म बन गई है जो दुनिया की 10 सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्मों में से एक बन गई है। धुरंधर 2 रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बना रही है। हाइएस्ट ओपनिंग से लेकर हाइएस्ट ग्रॉसिंग इंडियन फिल्म बनने तक... रणवीर सिंह (Ranveer Singh) की फिल्म फास्टेस्ट 1000 करोड़ कलेक्शन करने वाली फिल्म बन गई है। अब धुरंधर 2 ने दुनियाभर में भी अपनी जगह बना ली है। लेटेस्ट आंकड़ों की मानें तो धुरंधर 2 इस साल की दुनिया की उन टॉप 10 फिल्मों में से एक है जो सबसे ज्यादा कमाई करने के लिए मशहूर हैं। ट्रेड एक्सपर्ट्स के मुताबिक, धुरंधर 2 ने अब तक दुनियाभर में 178 मिलियन डॉलर यानी 1650 करोड़ के पार कलेक्शन कर लिया है। वहीं, बॉक्स ऑफिस मोजो की मानें तो यह आंकड़ा 177 मिलियन डॉलर (1,640 करोड़) है। वहीं, प्रोड्यूसर्स का कहना है कि 180 मिलियन डॉलर यानी 1,669 करोड़ के करीब कारोबार कर लिया है।

विलेन के मिशन पर टाइम ट्रैवल करेंगे महेश, इतिहास से 2027 तक का दिखेगा सफर

प्रियंका चोपड़ा-महेश बाबू की ‘वाराणसी’ की कहानी लीक

नई दिल्ली। एसएस राजामौली के डायरेक्शन में बन रही फिल्म ‘वाराणसी’ फिल्म का प्लॉट लीक हो गया है। प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू स्टारर इस फिल्म की कहानी टाइम ट्रैवल पर आधारित होगी, जिसमें महेश बाबू एक शिव भक्त के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी का खुलासा किसी और ने नहीं, बल्कि इसमें विजुअल इफेक्ट्स का काम देख रही मशहूर कंपनी ‘सिनेसैट’ (Cinesite) ने किया है। यह वही कंपनी है जिसने ‘स्पाइडर-मैनः नो वे होम’ जैसी हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। स्टूडियो ने अपने पोर्टफोलियो में राजामौली के इस प्रोजेक्ट को जोड़ा और एक शॉर्ट डिटेल शेयर की, जिसमें फिल्म की कहानी की मुख्य कड़ियां बताई गई हैं।

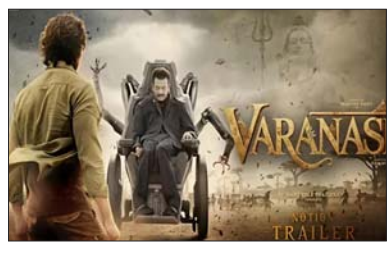

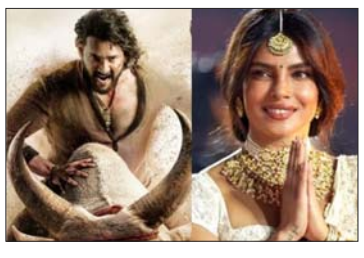

शिव भक्त और प्राचीन रहस्य की कहानी

लीक हुए प्लॉट के मुताबिक, महेश बाबू एक शिव भक्त ‘रुद्र’ का किरदार निभा रहे हैं। वह एक ऐसी ब्रह्मांडीय वस्तु की तलाश में समय की यात्रा पर निकलते हैं, जिसमें असीम शक्ति है। सदियों पुराने रहस्यों को सुलझाते हुए उन्हें एहसास होता है कि उन्हें जिस मिशन पर भेजा गया है, उसके पीछे एक बड़ी साजिश है। जिस शक्ति ने उन्हें इस रास्ते पर भेजा है, वह असल में दुनिया पर राज करना चाहती है।

फिल्म की लीड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि यह फिल्म हॉलीवुड की ‘बैक टू द फ्यूचर’ जैसी नहीं है। प्रियंका ने कहा, "फिल्म की कहानी प्राचीन इतिहास से लेकर भविष्य तक फैली हुई है। हम 7200 ईसा पूर्व से लेकर साल 2027 तक के समय में ट्रैवल कर रहे हैं। दर्शक उन अलग-अलग दुनियाओं और दौर को देखेंगे जिनमें किरदार रहते हैं।"

समय रैना पर भड़के मुकेश खन्ना, बोले- मुंह काला कर तुम्हें गधे पर घुमाना चाहिए

शक्तिमान का अपमान किया

नई दिल्ली। एक्टर मुकेश खन्ना कॉमेडियन समय रैना पर भड़क गए और बुधवार को उन्होंने एक एडिटेड तस्वीर शेयर की, जिसमें समय रैना को गधे पर बैठे दिखाया गया। जिसमें लिखा था कि समय रैना तू सिर्फ गधे पर बैठने के लायक है!! वो भी मुंह काला करके। तस्वीर के साथ मुकेश खन्ना ने इंस्टाग्राम पर यह लिखा, ‘कुत्ते की दुम टेढ़ी रहती है। उसे लाख शीशियों में रखो। बाहर निकालो, फिर टेढ़ी की टेढ़ी!! समय रैना की भी एक दुम है। कितना भी मारो, सीधा करो, वो वापस टेढ़ी हो जाती है क्योंकि वो सीधा-सादा प्राणी नहीं है। वो रोस्टेड प्राणी है।’ उन्होंने आगे लिखा, 'गंदगी की आग में जलाया हुआ, पकाया हुआ। पूरे देश ने लताड़ा, मारा, फिर आ गया बेशर्मों की तरह और मार खाने। अब एक ही चीज बाकी है। उसका मुंह काला कर गधे पर बिठा कर देश भर के शहरों में, गलियों में उसकी परेड करनी चाहिए। जहां बच्चे उसको अंडे, टमाटर मारें क्योंकि उसने उनके सुपरहीरो शक्तिमान का अपमान किया है!!! दरअसल हाल ही में समय रैना ने अपने वीडिया 'स्टिल आईलव' में 2025 के 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद को लेकर आलोचना करने वालों पर टिप्पणी की थी। जिस पर उन्होंने मुकेश खन्ना और उनके शो शक्तिमान को लेकर कहा था, ‘शक्तिमान आ गया था यार। शक्तिमान से कैसे लड़ेंगे यार? शक्तिमान कह रहा था क्या असर पड़ेगा इनके कंटेंट का बच्चों पर, बच्चों का क्या होगा ये कंटेंट देख के। मुझें नहीं पता, तुम में से कितने लोग शक्तिमान एरा में टीवी देखते थे। हर अगले महीने न्यूज आती थी, कोई बच्चा शक्तिमान देख के बिल्डिंग से कूद गया। तूने बच्चे मारे हैं भाई, तू क्या मोरल हाई ग्राउंड लेकर बैठा है?’

सान्या मल्होत्रा का ऋषभ रिखीराम से हुआ ब्रेकअप

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा (Sanya Malhotra) बहुत जल्द राजकुमार राव (Rajkummar Rao) के साथ फिल्म टोस्टर में नजर आने वाली हैं। ये एक कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन विवेक दासचौधरी ने किया है।

वहीं इन दिनों एक्ट्रेस अपनी लव-लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। कहा जा रहा था कि सान्या सितार वादक ऋषभ शर्मा को डेट कर रही हैं। हालांकि अब खबर आ रही है कि एक साल की डेटिंग के बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया।

हालांकि दोनों ने अपने रोमांस को सीक्रेट रखा था लेकिन इनके अलग होने की खबर इस समय मीडिया में सुर्खियों में है। फिलहाल दोनों की तरफ से अभी इस पर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आई है। जानकारी के अनुसार दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है जिसके बाद से ये कयास लगाए जा रहे हैं।

जनवरी 2025 में रेडिट पर पहली बार इनके डेटिंग की खबर वायरल हई थी, जब एक यूजर ने दोनों की एक ही इवेंट से निकलते हुए दोनों की तस्वीर शेयर की थी। एक तस्वीर में, ऋषभ एक प्रशंसक के साथ पोज देते हुए दिखे, जबकि सान्या उनके पास ही खड़ी थीं। फैंस ने यह भी नोटिस किया कि वे एक ही समारोह में शामिल होते थे और ग्रुप के साथ तस्वीरों में दिखाई देते थे। एक अन्य फैन अकाउंट ने दिसंबर 2024 में भी उन्हें एक कार्यक्रम में साथ देखे जाने की बात कही। सान्या और ऋषभ दोनों ने ही इन अटकलों की ना तो कभी पुष्टि की ना ही खंडन किया।

लेबनान पर इजराइली हमले में 254 मौत के बाद फैसला, ट्रम्प बोले- सीजफायर में हिजबुल्लाह शामिल नहीं

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट दोबारा बंद किया

ईरानी नागरिकों ने तेहरान में इजराइल और अमेरिका के झंडे जलाकर सीजफायर का जश्न मनाया।

निर्णय

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल ने बुधवार को लेबनान में कई जगहों पर एयरस्ट्राइक की। इन हमलों में 254 लोग मारे गए और 1,165 लोग घायल हो गए। लेबनान की नागरिक सुरक्षा टीम के अनुसार, मारे गए लोग लेबनान के बेरुत, बालबेक, हर्मेल, नबातीह, अले डिस्ट्रिक्ट, सिडोन और टायर के थे। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक, इजराइली हमले के बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा बंद कर दिया है। इससे पहले उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने चेतावनी दी थी कि अगर सीजफायर में लेबनान को शामिल नहीं किया गया, तो यह समझौता टूट जाएगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच हुए सीजफायर को स्थायी और विश्वसनीय बनाने के लिए लेबनान को इसमें शामिल करना जरूरी है।मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति और ईरान के राष्ट्रपति से फोन पर बात की और उनके सीजफायर फैसले को सही कदम बताया।उन्होंने कहा कि सीजफायर का पालन सभी संघर्ष क्षेत्रों में होना चाहिए, खासकर लेबनान में, क्योंकि यही इसकी सफलता की सबसे जरूरी शर्त है।

मैक्रों ने यह भी कहा कि किसी भी दीर्घकालिक समझौते में ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, उसकी क्षेत्रीय नीतियों और होर्मुज में नौवहन से जुड़े मुद्दों को शामिल करना होगा।

ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि होर्मुज से एक ऑयल टैंकर को रास्ते से वापस लौटा दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, AUROURA नाम का एक ऑयल टैंकर होर्मुज के पास पहुंचने के बाद अचानक 180 डिग्री घूमकर वापस फारस की खाड़ी की ओर लौट गया।

ट्रम्प ने नाटो की आलोचना की, बोले- जरूरत के समय साथ नहीं दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने NATO की आलोचना करते हुए कहा है कि यह गठबंधन जरूरत के समय अमेरिका के साथ नहीं खड़ा होता।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि NATO न पहले साथ था और न भविष्य में होगा। उन्होंने ग्रीनलैंड को लेकर भी टिप्पणी की और उसे बर्फ का टुकड़ा बताया। ट्रम्प पहले भी डेनमार्क के नियंत्रण वाले ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की इच्छा जता चुके हैं, जिसपर यूरोपीय देशों ने चिंता जाहिर की थी।

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि ईरान के साथ सीजफायर प्लान में हिजबुल्लाह शामिल नहीं है। इससे पहले ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का सीजफायर प्लान भेजा था, उसमें हिजबुल्लाह पर हमले रोकने की मांग की गई थी। तब इजराइल ने कहा था कि वो हिजबुल्लाह पर हमले नहीं रोकेगा। अमेरिका और ईरान के बीच करीब 40 दिन बाद 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बनी है। ट्रम्प ने बताया कि यह फैसला पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया।

ईरान बोला- लेबनान पर हमले के लिए इजराइल को सजा देंगे

लेबनान में इजराइल के हमले लेकर ईरान ने सख्त रुख अपनाया है। ईरानी समाचार एजेंसी के मुताबिक, सैन्य सूत्रों ने दावा किया है कि इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

ईरानी मीडिया के अनुसार, एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा कि इस अपराध और सीजफायर उल्लंघन के लिए इजराइल को सजा दी जाएगी।

फास्ट न्यूज

चांदी 9 हजार कम होकर 2.35 लाख किलो हुई

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 9 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1 हजार रुपए घटकर 1.50 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.51 लाख रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 9 हजार रुपए घटकर 2.35 लाख रुपए रह गई।

इमरान खान की बहनों पर आतंकवाद का केस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रावलपिंडी में आदियाला रोड पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों, कई सांसदों और करीब 1,400 अज्ञात लोगों के खिलाफ आतंकवाद निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एफआईआर बुधवार को आदियाला चेकपोस्ट के प्रभारी सब-इंस्पेक्टर की शिकायत पर दर्ज की गई। पुलिस ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शनकारियों ने कानून-व्यवस्था को चुनौती दी, पथराव किया और पुलिस पर हमला किया, जिससे कम से कम नौ पुलिसकर्मी घायल हो गए।

भारत में बढ़ रहा रक्षा बजट

वॉशिंगटन । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के रक्षा क्षेत्र में बढ़ते स्वदेशी उत्पादन को देश की आर्थिक वृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण सकारात्मक कदम बताया है। आईएमएफ के एक हालिया विश्लेषण के अनुसार, जब सैन्य खर्च स्थानीय उद्योगों को समर्थन देता है, तो यह न केवल उत्पादन में बढ़ोतरी करता है बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करता है।

खाड़ी दौरे पर ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर

होर्मुज को फिर से खोलने के प्रयासों पर करेंगे चर्चा

लंदन, एजेंसी

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर होर्मुज जलडमरूमध्य पर चर्चा करने के लिए खाड़ी क्षेत्र के दौरे पर जा रहे हैं। इस दौरे के दौरान, वह अमेरिका और ईरान के बीच हुए संघर्ष-विराम को समर्थन देने और उसे बनाए रखने के लिए किए जा रहे कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा करेंगे। 10 डाउनिंग स्ट्रीट, जो ब्रिटिश प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास और कार्यालय है। उन्होंने बताया कि उनके खाड़ी दौरे का उद्देश्य संघर्ष का दीर्घकालिक समाधान खोजना और ब्रिटिश तथा वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को भविष्य के खतरों से सुरक्षित रखना है। उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच हुए संघर्ष-विराम का स्वागत किया है। स्टार्मर तनाव कम करने के प्रति ब्रिटेन की प्रतिबद्धता को दोहराएंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने के प्रयासों पर चर्चा करेंगे। उनके कार्यालय ने इसे संघर्ष-विराम के परिणामस्वरूप हुई एक सकारात्मक प्रगति बताया। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा, ₹मैं संघर्ष-विराम समझौते का स्वागत करता हूं, जो इस क्षेत्र और दुनिया के लिए राहत का एक पल लेकर आएगा।₹ उन्होंने आगे कहा कि, अपने साझेदारों के साथ मिलकर काम करते हुए, हमें इस संघर्ष-विराम को समर्थन देने और बनाए रखने के लिए, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

बेरुत में इजरायली हवाई हमले में हिज्बुल्लाह सचिव की मौत

'बेरूत हवाई हमले में हिज्बुल्लाह नेता नईम कासिम का भतीजा ढेर'

हमला

नई दिल्ली, एजेंसी

इजरायल की सेना ने गुरुवार को दावा किया है कि कल बेरूत में हुई एक इजरायली हवाई हमले में हिज्बुल्लाह नेता नईम कासिम के सेक्रेटरी की मौत हो गई।

आईडीएफ ने बताया कि बेरूत के तल्लेत खयात इलाके में हिज्बुल्लाह के गढ़ दाहियेह के बाहर अली यूसुफ हर्षी को निशाना बनाया गया था। फुटेज में दिखाया गया कि इस हमले से एक बहुमंजिला इमारत आंशिक रूप से ढह गई। सेना का कहना है कि हर्षी, कासिम का भतीजा और निजी सेक्रेटरी था।

इसके अलावा, सेना ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में लगभग 10 हथियारों के गोदाम, रॉकेट लॉन्चर और हिज्बुल्लाह के मुख्यालयों पर भी हमला किया गया।

आईडीएफ ने अली यूसुफ हर्षी को निशाना बनाने का दावा किया

'मुख्य रास्तों पर किया हमला'

सेना ने एक बयान में कहा, "हर्षी हिज्बुल्लाह के महासचिव नईम कासिम का करीबी सहयोगी और निजी सलाहकार था और उसने उनके दफ्तर और उनकी सुरक्षा के प्रबंधन में अहम भूमिका निभाई थी।"

इस बीच आईडीएफ का कहना है कि रात के समय उसने लिटानी नदी के दो मुख्य रास्तों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल हिज्बुल्लाह दक्षिणी लेबनान में हजारों हथियार, रॉकेट और लॉन्चर पहुंचाने के लिए करता था।

पाक में वार्ता पर संशय के बादल

तेहरान । ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव और इस बीच घोषित युद्धविराम अब एक नाजुक मोड़ पर खड़ा है। ईरान की परमाणु एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया कि परमाणु कार्यक्रम के तहत यूरेनियम संवर्धन का अधिकार बचाए रखना अमेरिका के साथ किसी भी समझौते के लिए अनिवार्य शर्त है।

28 फरवरी से शुरू हुए इस भीषण युद्ध को रोकने के लिए जिस युद्धविराम की घोषणा की गई थी, वह फिलहाल लड़खड़ाता नजर आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तान में नियुक्त ईरानी राजदूत रजा अमीरी मुगाद्दम ने इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान के बीच सीजफायर वार्ता के लिए प्रतिनिधिमंडल के आगमन वाली सोशल मीडिया पोस्ट हटा दी है। यह पोस्ट हटाए जाने के बाद वार्ता के आयोजन पर संशय और सस्पेंस गहरा गया है, जिससे पाकिस्तान की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, सिर्फ यही कारण नहीं हैं।

लाहौर में ऑटो रिक्शा चालकों का जोरदार विरोध प्रदर्शन

ईरान संकट के बीच पाकिस्तान में ईंधन महंगा

प्रदर्शनकारियों ने सरकार से तुरंत ईंधन की कीमतें घटाने, ब्लैक मार्केटिंग पर रोक लगाने और उनकी आय पर पड़ रहे असर को कम करने की मांग की। चालकों का कहना है कि बढ़ती महंगाई से उनकी कमाई लगभग समाप्त हो गई है और आम जनता भी परेशान है।

नई दिल्ली/लाहौर, एजेंसी

मध्य पूर्व में ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य टकराव का असर अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई देने लगा है। अंतर-राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के चलते पाकिस्तान में पेट्रोलियम उत्पादों के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं।

लाहौर समेत कई शहरों में पेट्रोल की कीमत 458 रुपये प्रति लीटर और डीजल 520 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है। इसके अलावा एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी सैकड़ों रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे आम जनता का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। तेजी से बढ़ती महंगाई का सबसे ज्यादा असर दिहाड़ी मजदूरों और छोटे कामगारों पर पड़ा है। खासकर ऑटो रिक्शा चालक, जिनकी आय पूरी तरह ईंधन पर निर्भर है, गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं।

ऑटो चालकों का कहना है कि बढ़ते दामों के कारण उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा पेट्रोल-डीजल में ही खर्च हो जा रहा है, जिससे परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। कई चालकों ने तो काम बंद करने तक की चेतावनी दे दी है।

हालात से नाराज होकर अवामी रिक्शा यूनियन के बैनर तले सैकड़ों ऑटो रिक्शा चालकों ने लाहौर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर रैली निकाली और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान चालकों ने मांग की कि सरकार तुरंत ईंधन की कीमतों में राहत दे, अन्यथा वे बड़े स्तर पर हड़ताल करने को मजबूर होंगे। बढ़ती महंगाई और विरोध प्रदर्शनों के चलते पाकिस्तान सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में गिरावट नहीं आई, तो आने वाले दिनों में हालात और भी गंभीर हो सकते हैं।

'होर्मुज नहीं खुला तो फिर शुरू करेंगे गोलीबारी'

सीजफायर के बीच ट्रंप की ईरान को धमकी

- **ट्रंप ने ईरान को होर्मुज स्ट्रेट खोलने की धमकी दी।**
- **परमाणु हथियार न रखने पर 'गोलीबारी' की चेतावनी जारी की।**
- **अमेरिकी सेना की तैनाती और जीत का बेसब्री से इंतजार।**

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को एक नई धमकी दी है। ट्रंप का कहना है कि अगर ईरान हॉर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोलता है और परमाणु हथियार न रखने का वादा नहीं करता है तो गोलीबारी शुरू हो जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर उन्होंने लिखा, अमेरिका के सभी जहाज, विमान और सैन्य कर्मी साथ ही अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और ऐसी कोई भी चीज जो पहले से ही काफी कमजोर हो चुके दुश्मन को पूरी तरह से खत्म करने और नष्ट करने के लिए सही और जरूरी हो ईरान के अंदर और उसके आस-पास तब तक तैनात रहेंगे, जब तक कि हुई 'असली सहमति' का पूरी तरह से पालन नहीं हो जाता। ट्रंप ने आगे लिखा, अगर किसी भी वजह से ऐसा नहीं होता है, जिसकी संभावना बहुत ही कम है तो ₹गोलीबारी शुरू हो जाएगी₹ जो पहले कभी किसी ने नहीं देखी होगी, उससे भी ज्यादा बड़ी, बेहतर और जबरदस्त। बहुत पहले ही इस बात पर सहमति बन गई थी और इसके विपरीत तमाम झूठी बयानबा-जियों के बावजूद कि कोई भी परमाणु हथियार इस्तेमाल नहीं किया जाएगा और होर्मुज स्ट्रेट खुला और सुरक्षित रहेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने धमकी देते हुए लिखा, ₹इस बीच, हमारी महान सेना अपनी पूरी तैयारी कर रही है और आराम कर रही है। असल में, वह अपनी अगली जीत का बेसब्री से इंतजार कर रही है। अमेरिका वापस आ गया है।

डील : चीन जा रहा था, बीच रास्ते से लौटा ■ इसी हफ्ते पूर्वी तट पर पहुंचेगा

ईरान से 7 साल बाद कच्चा तेल खरीद रहा भारत

तेहरान/नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच भारत ने 7 साल बाद ईरान से तेल खरीदना फिर शुरू किया है। शिपिंग डेटा के मुताबिक, 'जया' नाम का टैंकर ईरानी क्रूड लेकर भारत के पूर्वी तट की ओर आ रहा है। यह टैंकर पहले गुजरात के वाडिनार पोर्ट की ओर आ रहा था। इसमें करीब 6 लाख बैरल कच्चा तेल लदा था। लेकिन फिर यह चीन की तरफ मुड़ गया। तब बताया गया था कि पेमेंट दिक्कत की वजह से यह भारत न आकर चीन जा रहा है। तेल मंत्रालय ने उन रिपोर्ट्स को गलत बताया था।

हालांकि अब यह फिर भारत की तरफ मुड़ गया है। फिलहाल इसकी लोकेशन मलेशिया के नजदीक है। माना जा रहा है कि इस सप्ताह के आखिर में यह भारत के पूर्वी तट पर पहुंच जाएगा। अमेरिका की ओर से दी गई 30 दिन की छूट पूरी तरह प्रतिबंध हटाने जैसी नहीं है। यह सीमित और कंट्रोल्ड व्यवस्था है। अमेरिका ने 2018 से ईरान के तेल पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, जिनके तहत कोई भी देश सीधे ईरान से तेल खरीदता है तो उस पर सेकेंडरी सैंक्शन लग सकते हैं। यानी उस देश की कंपनियों पर भी अमेरिकी कार्रवाई हो सकती है। इसी बीच जब वैश्विक हालात बिगड़ते हैं जैसे अभी मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण सप्लाई पर दबाव बढ़ा तो अमेरिका कुछ समय के लिए राहत देता है।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बाद तेल की कीमतों में भारी उछाल आया था। इससे कई देशों पर असर पड़ा। साथ ही भारतीय तेल कंपनियों को भी नुकसान हुआ था। लेकिन अब ईरान से सस्ता तेल मिलने से भारतीय ऑयल कंपनियों को राहत मिल सकती है।

अमेरिका ने भारत को 30 दिन की छूट दी है

2018 तक भारत ईरान से बड़ी मात्रा में सस्ता तेल खरीदता था। उस समय भारत रोजाना करीब 5.18 लाख बैरल ईरानी तेल आयात करता था, जो कुल आयात का लगभग 11.5% था। लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया और अन्य देशों से सप्लाई बढ़ा दी। हाल ही में अमेरिका ने 30 दिन की सीमित छूट दी है, जिसके तहत समुद्र में ईरानी तेल खरीदने की अनुमति है। यह छूट 19 अप्रैल तक लागू है। मंत्रालय के मुताबिक, मिडिल ईस्ट में सप्लाई बाधित होने के बीच भारतीय रिफाइनरों ने 40 से ज्यादा देशों से कच्चा तेल खरीदा है और पेमेंट की कोई दिक्कत नहीं है।

यूएस-ईरान सीजफायर पर फिर हुई पाकिस्तान की किरकिरी

जेडी वेंस ने खारिज किया शहबाज शरीफ का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया कि लेबनान, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही संघर्ष-विराम वार्ता का हिस्सा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ है। हंगरी से रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए जब उनसे पूछा गया कि क्या शांति प्रस्ताव में लेबनान को भी शामिल किया गया था तो वैंस ने कहा कि अमेरिका ने कभी भी ऐसा कोई वादा नहीं किया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संघर्ष-विराम का मुख्य उद्देश्य ईरान पर और अमेरिका के सहयोगी देशों यानी इजरायल और खाड़ी के अरब देशों पर ध्यान केंद्रित करना था। उन्होंने कहा, हमने कभी ऐसा कोई वादा नहीं किया। हमने कभी यह संकेत भी नहीं दिया कि ऐसा ही होगा। हमने तो बस यह कहा था कि यह संघर्ष-विराम ईरान पर केंद्रित होगा और साथ ही अमेरिका के सहयोगियों यानी इजरायल और खाड़ी के अरब देशों पर भी केंद्रित होगा। वेंस की टिप्पणियों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को मुश्किल में डाल दिया है, क्योंकि उन्होंने दावा किया था कि लेबनान भी शांति समझौते का हिस्सा है। इस दावे को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, दोनों ही पूरी तरह से खारिज कर चुके हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96